● वर्ष-3
● अंक-137
रायपुर, मंगलवार
16 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› थाली में करें थोड़े से बदलाव...

9 साल में 24.82 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से निकले बाहर

नई दिल्ली. नीति आयोग ने देश में गरीबी को एक रिपोर्ट जारी किया है. आयोग 2022-23 के लिए जारी रिपोर्ट में कहा कि पिछले 9 साल में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं. प्रमुख राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई.

नीति आाियोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में मात्र 11.28 प्रतिशत रह गई है. इस अवधि के दौरान लगभग 24.82 करोड़ लोग इस ब्रैकेट से बाहर निकल गए.

अनुसार, राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के तीन समान रूप से भारित आयामों में एक साथ अभाव को मापती है. यह 12 सतत विकास लक्ष्यों-संरेखित संकेतकों द्वारा दर्शाए जाते हैं.

इनमें पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास, संपत्ति और बैंक खाते शामिल हैं. नीति आयोग का राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक गरीबी दर में गिरावट का आकलन करने के लिए अल्किरे फोस्टर पद्धति का उपयोग करता है, हालांकि राष्ट्रीय

एमपीआई में 12 संकेतक शामिल हैं, जबकि वैश्विक एमपीआई में 10 संकेतक शामिल हैं.

सबसे ज्यादा 5.94 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं. दूसरे नंबर पर बिहार है, जहां 3.77 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं, जबकि मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ और राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग गरीबी रेखा से निकले हैं. रिपोर्ट के मुताबिक गरीब राज्यों में बेहद तेज रफ्तार के साथ गरीबी घटी है जिससे आर्थिक असामनता में कमी आई है.

पिछले 9 साल में एमपीएस के सभी 12 संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. मीडिया को संबोधित करते हुए, नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने कहा कि 9 सालों में 24.82 लोग उत्तर प्रदेश में पिछले 9 वर्षों में बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले, यानी हर साल 2.75 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल रहे हैं.

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा, सरकार का लक्ष्य बहुआयामी गरीबी को 1 प्रतिशत से नीचे लाना है और इस दिशा में सभी प्रयास किए जा रहे हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2024 के दौरान एकल-अंकीय गरीबी स्तर तक पहुंचने के लिए पूरी तरह तैयार है.

रिपोर्ट में कहा गया है, 2013-14 से 2022-23 के दौरान बहुआयामी गरीबी में गिरावट की दर तेज हो गई है. इसमें इस बात पर भी जोर दिया गया है कि, 'विशिष्ट अभाव पहलुओं में सुधार सरकार की बड़ी संख्या में पहल या योजनाओं से यह संभव हुआ है. पेपर में यह भी कहा गया है कि 'भारत 2030 से काफी पहले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा कम करना) हासिल कर सकता है.' नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक 2015-16 और 2019-21 के बीच सालाना 10.66 फीसदी के तेज गति के साथ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, जबकि, 2005-06 से लेकर 2015-16 के बीच सालाना 7.69 फीसदी के दर की रफ्तार से लोग गरीबी से बाहर निकलने में कामयाब हुए थे.

मोदी से मिलीं प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी, कहा-

बाबा के प्रति कम नहीं हुआ मोदी का सम्मान

नई दिल्ली। दिवंगत राष्ट्रपति की बेटी और कांग्रेस की पूर्व प्रवक्ता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने सोमवार को कहा कि प्रणब मुखर्जी के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान कम नहीं हुआ है। उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात करने और उन्हें अपनी किताब इन प्रणब, माई फादर् ए डॉटर रिमेम्बर्स की एक प्रति भेंट करने के बाद यह बात कही। शर्मिष्ठा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी से मेरी पुस्तक %प्रणब माई फादर् ए डॉटर रिमेम्बर्स% की एक प्रति भेंट करने के लिए मुलाकात की। वह हमेशा की तरह मेरे प्रति दयालु थे और बाबा के प्रति उनका सम्मान कम नहीं हुआ। धन्यवाद महोदय। शर्मिष्ठा ने अपनी किताब में पूर्व राष्ट्रपति के साथ कई घटनाओं और अपनी यादों को याद किया है। गांधी परिवार पर पूर्व राष्ट्रपति के विचारों और राहुल गांधी के नेतृत्व कौशल के बारे में उनके संदेह का खुलासा करते हुए उन्होंने कई बड़े दावे किए थे। दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति और कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रणब मुखर्जी ने एक बार राहुल गांधी को बहुत विनम्र और सवालों से भरा बताया था, लेकिन वह अभी भी

राजनीतिक रूप से परिपक्व नहीं हुए थे। अपने पिता के शानदार जीवन के बारे में अपनी आगामी पुस्तक में, पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पूर्व राष्ट्रपति की डायरी प्रविष्टियों और उन्हें सुनाई गई व्यक्तिगत कहानियों के किस्से लिखे। इसी में उन्होंने इस बात का जिक्र किया है।

पुस्तक, इन प्रणब, माई फादर् ए डॉटर रिमेम्बर्स, में प्रणब मुखर्जी की डायरी प्रविष्टियों में से एक का उल्लेख किया गया है जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे उन्होंने वायनाड सांसद को शासन में कुछ प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए मंत्रिमंडल में शामिल होने की सलाह दी थी। किताब में दावा किया गया है कि 25 मार्च 2013 को इनमें से एक यात्रा के दौरान, प्रणब ने कहा, उन्हें विविध विषयों में रुचि है, लेकिन वे एक विषय से दूसरे विषय की ओर बहुत तेजी से आगे बढ़ते हैं। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कितना सुना और आत्मसात किया। शर्मिष्ठा ने लिखा कि इस पद के लिए शीर्ष दावेदारों के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह और प्रणब के नामों की चर्चा चल रही थी। मुझे कुछ दिनों तक बाबा से मिलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह बहुत व्यस्त थे.

महासमुंद। भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत आज महासमुंद जिले के ग्राम झालखम्हरिया में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार बस्ती पहुंचे। कमारों के बीच में पहुंचकर उन्होंने केन्द्रीय योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया।

दुश्मन से नफरत नहीं, देश प्रेम की वजह से आखिरी सांस तक लड़ता है भारतीय सैनिक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारतीय सैनिक दुश्मन से नफरत की वजह से अपनी आखिरी सांस तक नहीं लड़ता है, बल्कि देश प्रेम के कारण वह लड़ता है। लखनऊ में आयोजित सैन्य और युद्ध प्रदर्शन शौर्य संध्या को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, भारतीय सैनिक जब अपनी आखिरी सांस तक दुश्मन से लड़ता है, तो वह इसलिए नहीं लड़ता क्योंकि वह दुश्मन से नफरत करता है, बल्कि वह इसलिए लड़ता है क्योंकि वह अपने देश से प्यार करता है। उन्होंने कहा, यही देशभक्ति उसके अंदर साहस की ऐसी भावना भरती है, जिससे प्रेरणा पाकर वह अपने प्राणों तक को दांव पर लगाने में भी पीछे नहीं हटता।

राजनीतिक कार्यक्रम होने के कारण राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह निमंत्रण अस्वीकार किया : कांग्रेस

नई दिल्ली। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले, कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वह ''नास्तिक पार्टी'' नहीं है कि मंदिर या धार्मिक अनुष्ठान का विरोध करेगी, लेकिन उसने निमंत्रण इसलिए अस्वीकार किया कि यह एक ''राजनीतिक'' कार्यक्रम है। विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया कि 22 जनवरी का यह कार्यक्रम लोकसभा चुनावों के चलते जल्दबाजी में आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी तथा अधीर रंजन चौधरी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण पिछले हफ्ते सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया था। पार्टी ने भाजपा-आरएसएस (भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) पर इसे चुनावी फायदे के लिए 'राजनीतिक परियोजना' बनाने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ''कांग्रेस सर्वधर्म समभाव (सभी धर्मों को समान सम्मान) में यकीन करती है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस किसी धर्म या धार्मिक कार्यक्रम या भावना के खिलाफ नहीं है। यह सर्वधर्म समभाव में

यकीन करती है और ऐसा शुरूआत से ही रहा है। (महात्मा) गांधीजी ने भी बार-बार यह कहा था।''

कुमार ने कहा कि जहां तक राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए निमंत्रण की बात है, कोई भी व्यक्ति उस वक्त भगवान से मिलने जाता है जब उनका बुलावा आता है। उन्होंने कहा, ''क्या यह एक विवाह (समारोह) है कि निमंत्रण की जरूरत पड़ी? निमंत्रण देने वाले वे कौन होते हैं? भगवान जब लोगों को बुलाते हैं तो लोग जाते हैं। हम भक्त हैं। ईश्वर व्यक्तिगत आस्था का विषय हैं और यह दिखावा करने की चीज नहीं है।''

कुमार ने आरोप लगाया, ''हर कोई जानता है कि वे (भाजपा-आरएसएस) क्यों यह कर रहे हैं। कोई भी आपको बता देगा कि चुनाव के चलते यह जल्दबाजी में किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि इसलिए कांग्रेस ने 22 जनवरी के ''राजनीतिक कार्यक्रम'' का निमंत्रण सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया। कुमार ने कहा, ''हम मंदिर जाएंगे, क्यों नहीं जाएंगे? आप देखेंगे कि इस (भारत जोड़ो न्याय) यात्रा के दौरान ही हम कई मंदिरों में जाएंगे। हम मंदिर, गुरुद्वारे, चर्च, मस्जिद जाएंगे।

प्रमुख समाचार

18 जनवरी को ही गर्भ गृह में प्रवेश करेंगे श्रीरामलला

अयोध्या। 22 जनवरी को अयोध्या धाम में

अपने नव्य भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम और पूजन विधि 16 जनवरी से शुरू हो जाएगी, जबकि जिस प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है उसे 18 जनवरी को गर्भ गृह में अपने आसन पर खड़ा कर दिया जाएगा। 22 जनवरी को पौष शुक्ल द्वादशी अभिजित मुहुर्त में दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के संबंध में यह बातें सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताईं। उन्होंने ये भी बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर गर्भ गृह में पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी, आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, रामजन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास और सभी ट्रस्टीज उपस्थित रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चंपत राय ने बताया कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

घर में आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में घर में आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नागाडबरा गांव के एक घर में आग लगने से बुधराम (35), उनकी पत्नी हिरामती बाई (32) और पुत्र जोनहू राम (12) की मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस को आज ग्रामीणों से बुधराम के घर में आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद पुलिस दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि बाद में पुलिस दल को तीनों के शव मिले जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार के तीनों सदस्य रविवार को किसी परिजन के घर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे और वहां से वे देर रात घर लौटे थे। उन्होंने बताया कि घर में रखा चूल्हा और गैस सिलेंडर पूरी तरह से जला हुआ है। उनके मुताबिक, आशंका है कि गैस सिलेंडर से रिसाव की वजह से घर में आग लगी होगी जिसमें जलकर तीनों की मृत्यु हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोदी और पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रूसी प्रधान मंत्री व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और विभिन्न सकारात्मक विकास पर चर्चा की। दोनों नेता अपनी टेलीफोन बातचीत के दौरान आगामी पहलों के लिए एक योजना की रूपरेखा तैयार करने पर भी सहमत हुए। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति पुतिन से अच्छी बातचीत हुई। हमने अपनी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी में विभिन्न सकारात्मक विकासों पर चर्चा की और भविष्य की पहल के लिए एक रोडमैप तैयार करने पर सहमति व्यक्त की। हमने ब्रिक्स की रूस की अध्यक्षता सहित विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी उपयोगी विचारों का आदान-प्रदान किया। दिसंबर 2023 में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मॉस्को में रूसी नेतृत्व से मुलाकात की थी. अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात के बाद, जयशंकर ने रेखांकित किया कि रूस भारत का एक मूल्यवान, समय-परीक्षणित भागीदार है और दोनों देशों को इस रिश्ते से काफी फायदा हुआ है। 2022 में पश्चिम द्वारा यूक्रेन में युद्ध को लेकर मास्को पर व्यापक प्रतिबंध लगाने के बाद से भारत रूस के प्रमुख आर्थिक साझेदारों में से एक बन गया है।

आंध्र कांग्रेस प्रमुख गिदुगु रुद्र राजू ने दिया इस्तीफा, शर्मिला जल्द संभाल सकती हैं कमान

नई दिल्ली। आंध्र कांग्रेस प्रमुख गिदुगु रुद्र राजू ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के मुताबिक, उनके इस्तीफे से वाईएस शर्मिला के लिए राज्य इकाई की कमान संभालने का रास्ता साफ हो गया है। राजू, जो 22 नवंबर से आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष हैं, आंध्र प्रदेश विधान परिषद में एमएलसी हैं। कांग्रेस फॉर तेलंगाना एक्स हैंडल से पोस्ट किया गया, गिडुगु रुद्र राजू ने आंध्र प्रदेश पीसीसी अध्यक्ष पद के लिए इस्तीफा दे दिया। 2-3 दिनों में आंध्र प्रदेश के लिए नया पीसीसी प्रमुख होगा। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी और वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक वाईएस शर्मिला की हाल ही में कांग्रेस में एंट्री से अटकलें तेज हो गई थीं कि उन्हें पार्टी में राज्य प्रमुख का पद मिल सकता है। वह 4 जनवरी को नई दिल्ली में कांग्रेस में शामिल हुईं। शर्मिला पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं। उन्होंने अपनी वाईएसआर तेलंगाना कांग्रेस के कांग्रेस में विलय की भी घोषणा की थी और कहा था कि उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी।

वैचारिक जड़ों से भटक गई है कांग्रेस, जातिगत विभाजन को बढ़ावा दे रही- मिलिंद देवरा

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवरा ने कांग्रेस छोड़ने और शिवसेना में शामिल होने के अपने फैसले को सही ठहराते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस अपनी वैचारिक एवं संगठनात्मक जड़ों से भटक गई है, वह जाति के आधार पर विभाजन को बढ़ावा दे रही है एवं कारोबारी घरानों को निशाना बना रही है। देवरा ने कहा कि वह एक ऐसे नेता का सहयोग करना चाहते हैं जो रचनात्मक विचारों को महत्व देता है और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनकी क्षमता को पहचाना है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवरा ने लोकसभा चुनावों से पहले मुंबई में कांग्रेस को झटका देते हुए रविवार की सुबह पार्टी छोड़ दी और शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हो गए। इसी के साथ कांग्रेस के साथ उनके परिवार का ''55 साल पुराना नाता'' खत्म हो गया। देवरा ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए बताया कि उनके कांग्रेस छोड़ने के पीछे के क्या कारण हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ दिवंगत नेता मुरली देवरा के बेटे मिलिंद देवरा आगामी लोकसभा चुनाव में मुंबई दक्षिण सीट पर उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) द्वारा दावा किए जाने के बाद से नाराज थे।

यूपीए के नए अवतार की चाबी कांग्रेस के ही हाथ

अजय सेतिया

तीनों हिन्दी भाषी राज्यों में करारी हार के बावजूद इंडी एलायंस में कांग्रेस अपनी रणनीति में कामयाब रही है। कांग्रेस ठंडा करके खाने में विश्वास रखने वाली पार्टी है। कर्नाटक की बैठक में सोनिया गांधी के यूपीए भंग करने के पीछे रणनीति यही थी कि इंडी एलायंस की बागडोर कांग्रेस के हाथ में आ जाए। वैसे तो बिना किसी फैसले के ही महाराष्ट्र बैठक के बाद कांग्रेस ने गठबंधन की कमान अपने हाथ में ले ली थी। अब 13 जनवरी की ऑनलाइन मीटिंग में मल्लिकार्जुन खरगे को चेयरमेन चुन कर कांग्रेस ने कमान विधिवत अपने हाथ में ले ली है। हालांकि 28 दलों वाले इस गठबंधन की वर्चुअल बैठक में सिर्फ 9 दलों के नेता मौजूद थे। ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे और अखिलेश यादव या उनका कोई प्रतिनिधि बैठक में नहीं आया। देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में इन तीनों दलों के साथ सीट शेयरिंग का क्या कोई फार्मूला निकलेगा या नहीं।

यह शुरू से ही तय था कि कांग्रेस अगर नीतीश कुमार को संयोजक बनाएगी तो चेयरमेन का पद भी सृजित किया जाएगा। यह भी तय था कि चेयरमेन या तो सोनिया गांधी खुद बनेगी या मल्लिकार्जुन खरगे को बनाया जाएगा। कांग्रेस नीतीश कुमार को आगे रख कर चुनाव मैदान में कूदने की कतई इच्छुक नहीं थी। उसकी रणनीति मल्लिकार्जुन खरगे को ही चेयरमेन बनाने की थी, ताकि चुनावों में दलित चेहरे का फायदा हो। खरगे के नाम से कांग्रेस यह संदेश भी देना चाहती थी कि अगर गठबंधन को सरकार बनाने का मौक़ा मिलता है, तो खरगे को प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। हालांकि बैठक के बाद शरद पवार ने वही बात कही है, जो 19 दिसंबर की बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने कही थी कि पहले इतने सांसद तो जीत कर आएं कि सरकार बनाने का अवसर पैदा हो, उस समय प्रधानमंत्री तय होगा। लेकिन अपना चेयरपर्सन बनवा कर कांग्रेस ने इंडी एलायंस को अपने नियन्त्रण में लेकर विस्तृत यूपीए बनाने में सफलता हासिल कर ली है, यह कांग्रेस की बहुत बड़ी राजनीतिक रणनीतिक उपलब्धि मानी जाएगी।

19 दिसंबर की दिल्ली में हुई बैठक में ममता बनर्जी और अरविन्द केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आगे किया था। अगर नीतीश कुमार उस पर सहमत होते, तो वह भी ममता बनर्जी के प्रस्ताव का समर्थन कर देते। लेकिन उन्होंने सोचा ही नहीं था कि प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार या चेयरमेन बनाए जाने पर कोई विचार होगा। वह यही मान कर चल रहे थे कि चुनावों से पहले सिर्फ संयोजक बनाया जाएगा, जिसके लिए उनकी पार्टी का दावा भी था। 19 दिसंबर की बैठक में जब नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का फैसला नहीं हुआ, तो 29 दिसंबर को जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद पार्टी के महासचिव केसी त्यागी ने कहा था कि इंडी एलायंस के आर्किटेक्ट नीतीश कुमार हैं, इसलिए संयोजक और प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार नीतीश कुमार ही हैं। पार्टी की इस आधिकारिक लाईन का नीतीश की तरफ से खंडन नहीं किया गया। पटना में जब नीतीश कुमार से संयोजक पद के मुद्दे पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने जरुर कहा था कि वह किसी पद के इच्छुक नहीं हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का एलान करते वक्त जब मल्लिकार्जुन खरगे से नीतीश कुमार को संयोजक बनाए जाने पर सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि यह सवाल कौन बनेगा करोड़पति जैसा बन गया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि आने वाले 15 दिन में संयोजक और अन्य पदों पर फैसला हो जाएगा। यह संकेत काफी था कि नियुक्ति सिर्फ संयोजक पद की नहीं होगी, कांग्रेस अपने प्री प्लान के मुताबिक़ ही चेयरमेन का पद अपने पास रखने की रणनीति पर ही काम कर रही है। इसी के बाद नीतीश कुमार ने कह दिया था कि वह किसी पद के इच्छुक नहीं हैं। 13 जनवरी की वर्चुअल बैठक में भी जब संयोजक पद पर उनके नाम का प्रस्ताव आया, तो उन्होंने वही बात दोहराई कि वह किसी पद के इच्छुक नहीं हैं। लेकिन इसे उनकी नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि उनकी पार्टी कुछ और कह रही थी, और वह खुद कुछ और कह रहे हैं। बेंगलुरु की बैठक में लालू यादव और तेजस्वी भी इस बात से नाराज हो कर निकले थे कि नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का फैसला क्यों नहीं किया जा रहा। जेडीयू ने तो पटना, बेंगलुरु और मुम्बई बैठक स्थलों पर नीतीश कुमार को भावी प्रधानमंत्री बताने वाले होर्डिंग तक लगवाए थे। नीतीश कुमार की पलटू राम की छवि के कारण कांग्रेस एलायंस की पूरी बागडोर उनके हाथ में देने को कभी भी तैयार नहीं थी। इसीलिए सोनिया गांधी ने बेंगलुरु में यूपीए भंग करने और उसके चेयरपर्सन पद से इस्तीफे का एलान किया था। यह एलान पटना में नहीं किया गया था। अब जब नीतीश कुमार ने संयोजक बनने से इंकार कर दिया है और श्रीराम जन्मभूमि के शिलान्यास में शामिल होने या नहीं होने पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं, तो उनकी निष्ठा पर फिर सवाल उठने लगा है। उनकी अगली चाल क्या होगी, उसे लेकर इंडी एलायंस में ही आशंका बनी हुई है। वैसे उनकी ओर से पद ठुकराने के और भी कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि अखिलेश यादव की तरह वह कांग्रेस को विश्वसनीय नहीं मानते। दूसरा कारण यह है कि उनके लालू यादव के साथ भी उस तरह के रिश्ते नहीं रहे, जैसे मुम्बई बैठक तक बने हुए थे। जेडीयू के 11-12 विधायकों की लालू यादव से मुलाक़ात के बाद दोनों के बीच अविश्वास की गहरी खाई उत्पन हो चुकी है। नीतीश कुमार पहले कहते थे कि भाजपा जेडीयू को निगल जाना चाहती है, अब उन्हें आशंका है कि लालू यादव उनकी पार्टी को निगल जाना चाहते हैं।

बीजापुर में नौ नक्सली चढ़े हत्थे

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी, आगजनी और अन्य वारदातों में थे शामिल

बीजापुर। बासागुड़ा-गंगालूर थाना क्षेत्रों में यात्री बस में आगजनी और आईईडी विस्फोटक सहित कुल नौ नक्सलियों को सुरक्षाबल के जवानों ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की हैं। पकड़े गए नक्सलियों को वैधानिक कार्यवाही के बाद न्यायालय में पेश किया गया हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बीते शुक्रवार को बासागुड़ा थाना और कोबरा 210 की संयुक्त पार्टी तिम्मापुर नेड़ा की ओर नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। इस दौरान तीन मिलिशिया सदस्य को पकड़ा गया। जिनसे पूछताछ करने पर अपना नाम अवलम सोमा पिता स्व. भीमा में 54 निवासी जीडीपारा तिम्मापुर, कोरसा दशरू उर्फ पिता स्व. कोरसा सुकलु उम्र 25 निवासी मन्दिरपारा तिम्मापुर और पुनेम सुरेश पिता किष्टइय्या उम्र 28 निवासी गायतापारा तिम्मापुर बताया।

पकड़े ये नक्सली 21 दिसम्बर 2023 को बासागुड़ा थाना क्षेत्र तिम्मापुर के पास कुशवाह ट्रेवहल्स की यात्री बस में आगजनी की घटना में शामिल थे। वहीं 12 जनवरी 2024 को गंगालूर थाना क्षेत्र के पुसनार के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया था।

इस मुठभेड़ के बाद सर्च करते वापसी के दौरान पुसनार मेटापाल के मध्य जंगल पहाड़ी रास्ते में तीन संदिग्ध व्यक्ति पुलिस पार्टी को देखकर छुपते भागते नजर आने पर जवानों द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में अपना नाम मनकू पुनेम भूमकाल मिलिशिया सदस्य

पिता सोमलु उम्र 23 निवासी पुसनार, छोटू पुनेम भूमकाल मिलिशिया सदस्य पिता पांडु पुनेम उम्र 22 निवासी पुसनार और आयतु पुनेम भूमकाल मिलिशिया सदस्य पिता दुला पुनेम उम्र 26 निवासी पुसनार बताया।

इनके कब्जे से 1 नग टिफिन बम, 5 किलो का बम, स्वीच तथा 80 मीटर बिजली का तार बरामद किया गया। साथ ही शनिवार को गंगालूर थाना व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम एरिया डॉमिनेशन पर पुसनार मेटापाल की ओर निकली थी। सर्चिंग के दौरान पुसनार से तीन मिलिशिया सदस्यों को सरकार विरोधी पर्चा बैनर व पाम्पलेट के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में अपना नाम सुखराम पुनेम, पिता मंगू पुनेम उम्र 23 निवासी बड्डेपारा पुसनार, सुरेश पुनेम उर्फ पोरी पिता आयतु पुनेम उम्र 22 निवासी बड्डेपारा पुसनार व छोटू पुनेम उर्फ गारा उर्फ छोटू निवासी बड्डेपारा पुसनार थाना गंगालूर बताया। पकड़े गए सभी नक्सलियों के खिलाफ बासागुड़ा व गंगालूर थाना में भादवि एवं जनसुरक्षा अधिनियम की धाराओं में वैधानिक कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय बीजापुर में पेश किया गया है।

नक्सलियों ने की युवक की हत्या

बीजापुर में बीती रात गंगालूर इलाके में नक्सलियों ने एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी। परिजनों की सूचना के बाद पुलिस शव कब्जे में लेकर पीएम करा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार व सोमवार की दरमियानी रात गंगालूर थाना क्षेत्र के पुसनार निवासी युवक रिषु पुनेम उम्र 19 की नक्सलियों ने धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी । मृतक के परिजनों द्वारा गंगालूर थाना में दी सूचना के बाद पुलिस मामले की तस्दीक कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम लिए भेज दिया है।

मंडी में रखा धान खाते कैमरे में कैद हुआ दंतैल

धान खरीदी केंद्र में घुसा हाथी

कोरबा। जिले में हाथी का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है, कहीं मकान तो कहीं फसल बर्बाद कर रहे हैं। वहीं कोरबा के वनांचल क्षेत्र कुदमुरा के चचिया में शाम ढलते ही अंधेरे में एक दंतैल हाथी आ धमका। हाथी जंगल से होते हुए सीधे धान खरीदी केंद्र जा पहुंचा। हाथी के आने के बाद धान खरीदी केंद्र में हड़कंप मच गया और वहां मौजूद लोग कमरे में जा कर छुप गए। इसकी सूचना ग्रामीणों और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को दी गई। हाथी धान खरीदी केंद्र में धूमता रहा फिर धान के बोरियों को खाने लगा।

इस दौरान हाथी की चिंघाड़ सुनकर चौकीदार और उपस्थिति कर्मचारी डरे सहमे हुए थे। उसके बाद सभी ने जोर-जोर से हाथी को भगाने के लिए चिल्लाने लगे। जिसके बाद हाथी धान खरीदी केंद्र से निकलते हुए गांव से लगे जंगल की ओर निकल गया। जिसके बाद मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

घटना स्थल पर मौजूद लोगों की माने तो हाथी काफी विशाल का था। हाथी ने धान खरीदी केंद्र में लगभग 20 से 25 बोरियों के धान को खो गया। इस घटना को धान उपार्जन केंद्र के कर्मचारियों ने मोबाईल कैमरे में कैद कर लिया है। केंद्र के कम्प्यूटर ऑपरेट गिरधारी राठिया ने बताया कि इस इलाके में हाथियों का झुंड पिछले कई दिनों से विचरण कर रहा है लेकिन धान खरीदी तक नहीं पहुचे थे। पहली बार धान खरीदी केंद्र के अंदर हाथी घुसा, इससे वह डरे सहमे हुए थे।

हाथियों का आतंक, शौच के लिए गए बुजुर्ग को हाथी ने कुचला

जशपुर। जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार जारी है। यहां हाथी ग्रामीणों के घरों और किसानों के फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस बीच आज हाथी के हमले से फिर एक ग्रामीण की मौत हो गई है। मृतक की पहचान मधुसूदन कवर के रूप में हुई है। इसकी सूचना मिलते ही वन अमला मौके के लिए रवाना हो गए हैं। घटना बगीचा वनपरिक्षेत्र के जुरगुम गांव की है।

मिली जानकारी के अनुसार, जुरगुम खम्हार पारा निवासी मधुसूदन कवर आज भोर में शौच के लिए घर से सौ मीटर दूर निकले थे। इस दौरान अचानक बाड़ी की ओर से आए हाथी ने वृद्ध को कुचल दिया। इससे वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने फरार गैंगस्टर तपन सरकार को किया गिरफ्तार, मर्डर केस से जुड़े हैं तार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के मशहूर गैंगस्टर और महादेव महार हत्याकांड के मुख्य आरोपित तपन सरकार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह इससे पहले महादेव महार हत्याकांड की सजा काट चुका है, लेकिन इस बार पुलिस ने तपन को खुर्सीपार में हुए एक हत्याकांड के आरोप में पकड़ा है। एक महीने पहले खुर्सीपार पुलिस ने तपन सरकार के सिकोलाभाठा दुर्ग स्थित घर और अन्य ठिकानों पर दबिश दी लेकिन, वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। लेकिन इस बार रायपुर और दुर्ग पुलिस की संयुक्त टीम ने चंपारण के एक फार्महाउस में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया है।

दरअसल, बीते साल 2023 में 8 मार्च को होली के दिन खुर्सीपार क्षेत्र में शुभम राजपूत की हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद आरोपी सेवक निषाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया था। हत्या के कारणों को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई थी। जांच में पुलिस को पता चला कि, शुभम राजपूत गैंगस्टर तपन सरकार के लिए वसूली का काम करता था। होली के दिन भी वह आरोपी से पैसे मांगने गया था। आरोपी के घर में पैसे के लेन-देन को लेकर दोनों में विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने कटर से गला रेतकर शुभम की हत्या कर दी थी। इस हत्या में पुलिस गैंगस्टर तपन सरकार की भूमिका को लेकर भी जांच कर रही थी।

25 दिसंबर को चकमा देकर हुआ था फरार

गैंगस्टर तपन को पकड़ने के लिए बीते 25 दिसंबर सोमवार की रात एएसपी अभिषेक झा के नेतृत्व में चार थानों के टीआई सहित 25 जवानों की टीम ने मोहन नगर क्षेत्र स्थित तपन के घर पर छापेमार कार्रवाई की थी। लेकिन पुलिस के आने की भनक उसे पहले ही लग गई थी और वह फरार हो गया था। जिसके बाद पुलिस लगातार उसकी पतासाजी में जुटी हुई थी और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की पुछताछ के बाद उसे इस मामले में अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। बता दे कि, इससे पहले भी तपन 17 साल जेल की सजा काट चुका है।

सीतापुर में गणतंत्र दिवस के लिए विधायक करवा रहे ट्रेनिंग

सरगुजा। पूरे देश समेत छत्तीसगढ़ में गणतंत्र दिवस का समारोह भव्य तरीके से होगा।इसकी तैयारियां शुरु हो चुकी हैं। सीतापुर में भी गणतंत्र दिवस को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। सीतापुर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में सुबह शाम दोनों समय क्षेत्र की युवक युवतियां गणतंत्र दिवस को लेकर विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।जिसे स्थानीय विधायक रामकुमार टोप्पो करवा रहे हैं।

रामकुमार टोप्पो सेना के पूर्व जवान रह चुके हैं। ऐसे में यहां के युवाओं के लिए एक मार्गदर्शक के तौर पर वो सुबह शाम दोनों ही समय मौजूद रहते हैं।इन दिनों विधायक युवाओं को मार्च पास्ट की ट्रेनिंग दे रहे हैं। सीतापुर में 26 जनवरी के दिन गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन किया गया है।जिसमें शहर के युवा भी हिस्सा लेंगे।इसलिए युवाओं को विधायक रामकुमार टोप्पो सही तरीके से मार्च पास्ट करना सीखा रहे हैं।सीतापुर क्षेत्र से अलग-अलग समुदाय के लोगों को भी मार्च पास्ट के लिए आमंत्रित किया गया है। विधायक रामकुमार टोप्पों की माने तो ये प्रशिक्षण बच्चों को निरंतर दिया जाता रहेगा। बच्चों को इसके बाद शारीरिक कौशल में दक्ष करने के

लिए,अनेक प्रकार के कार्य योजना बनाई जा रही है। बच्चों को आत्मरक्षा के लिए कराटे की प्रैक्टिस भी कराई जाएगी। विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा जब हमारे क्षेत्र के बच्चे प्रैक्टिस में दक्ष हो जाएंगे तो वह अपने क्षेत्र में जाकर गांव के युवाओं को इसकी प्रैक्टिस कराएंगे। जब क्षेत्र के युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे तो आने वाले समय में वह देश के मजबूत आधार बनेंगे।जब वे शरीर से मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे तो नौकरी के कॉम्पटीशन में भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। विधायक के मुताबिक बच्चों को हमारे ट्रेनिंग दी जा रही है।उनकी काबिलियत को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हम चाहते हैं कि इस बार 26 जनवरी का महापर्व सीतापुर में बड़ी धूमधाम से मनाया जाए और क्षेत्र की सभी लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो।

डोंगरगढ़ से अयोध्या की पद यात्रा पर निकले मेहुल लखानी

■ सीएम साय ने दी शुभकामनाएं

गौरेला पेंड्रा मरवाही। भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से उनके दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ के रहने वाले मेहुल लखानी राम भक्त डोंगरगढ़ से अयोध्या के लिए निकलें है। और वे पैदल उल्टे चलते हुए यह पदयात्रा कर रहे है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय से मुलाकात कर बिलासपुर जिले से जीपीएम जिले की ओर बढ़ रहे है और उनके अनुसार उनकी अयोध्या तक कि यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रीय चेतना का संदेश देना और प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था प्रकट करना है। मेहुल के साथ उनकी माता जी भी ई रिक्शा से चल रही हैं।

भगवान श्रीराम चन्द्र जी के ननिहाल छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने को निकले डोगरगढ़ के रहने वाले मेहुल लखानी पहले रायपुर में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर बिलासपुर होते हुए जीपीएम जिले की ओर बढ़ रहे हैं। इस पूरे पदयात्रा में

खास बात यह है कि मेहुल लखानी एक अनूठी यात्रा पर हैं, अनूठी इस लिए की वे इस पदयात्रा में उल्टे पैर पिछले की ओर चलते हुए तय कर रहे है। डोंगरगढ़ से भगवान श्रीराम के धाम अयोध्या तक कि पदयात्रा है। मेहुल ने बतलाया कि वे डोंगरगढ़ से रायपुर पहुचे जहा पर वे प्रदेह के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात हुई और उन्होंने मेहुल को शुभकामनाएं भी दी हैं। मेहुल का कहना है कि वे उल्टे चल कर समाज में चेतना का प्रयास कर रहें है और राष्ट्रीय चेतना जगाने के लिए ये पद यात्रा शुरू की गई है। साथ ही मेहुल की माने तो वे अयोध्या में श्रीराम मंदिर में अपनी माँ सूर्या बेन लखानी को दर्शन के बाद चारधाम और 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराने के लिए आगे बढ़ जाएंगे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पुलिस का चेकिंग अभियान कई वाहनों का काटा चालान

जगदलपुर। जगदलपुर शहर में लगातार शराबियों के द्वारा शराब के नशे में मनमाने रूप से अपनी वाहनों को रफ्तार से भागने के साथ ही नियमों का पालन ना करता देख पुलिस विभाग के ओर से कार्रवाई की गई है। इस दौरान पकड़े गए सभी वाहन चालकों को थाने लाया गया। दरअसल शहर के अलग-अलग चौक चौराहों से चार पहिया/दुपहिया वाहन चालकों के द्वारा शराब सेवन कर वाहन चलाने, यातायात नियमों का पालन न कर वाहन चलाया जा रहा था। जिस पर पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के आदेश पर थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में कार्रवाई के लिए टीम बनाया गया, टीम के द्वारा शहर के कुल 32 वाहन के चालकों द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, बिना लाइसेंस के वाहन चलाने, बिना इंश्योरेंस के वाहन चालको के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही किया गया। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के छह मामले 185 एमवी एक्ट तथा 26 मामले एमवी एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई किया गया।

झोपड़ी में लगी आग, परिवार के 3 लोगों की जलकर मौत

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। नागाडबरा गांव के एक झोपड़ी में आग लगने से एक ही परिवार के तीन बैगा आदिवासियों की मौत हो गई है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। यह मामला कुकदुर थाना क्षेत्र का है। कुकदुर थाना से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत माठपुर अंतर्गत आने वाले नागाडबरा बस्ती में बीती रात बुधराम पिता भोपसिंह 35, हिरमतीन बाई पति बुधराम 32 वर्ष और उनके आठ वर्शीय पुत्र जोन्हू की अज्ञात कारणों से झोपड़ी में आग लगने से जलकर मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि कल ये तीनों किसी परिजन के घर आयोजित छठी कार्यक्रम में गए हुए थे। जहां से रात लगभग 12 बजे लौटे थे। गांव वालों ने जब आज सुबह ये मंजर देखा तो घटना की सूचना कुकदुर पुलिस को दी। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

19 जनवरी को प्लेसमेंट कैंप का होगा आयोजन

राजनांदगांव। नौकरी की तलाश कर रहे बरोजगार युवाओं के पास रोजगार पाने का सुनहरा मौका है। स्थानीय ढ्ढञ्जढ्ढ और 12वीं पास युवाओं को नौकरी दिलाने के उद्देश्य से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था राजनांदगांव में 19 जनवरी 2024 को सुबह 9 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। इस प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने वाले इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए नीचे दी गई जानकारी ध्यान पूर्वक पढ़ें। बता दें कि, इस प्लेसमेंट कैंप में मैन पावर ग्रुप सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मुंद्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड ग्राम वंध गुजरात के लिए भर्ती की जाएगी। जिसमें वर्ष 2017 से 2023 तक आईटीआई, 12वीं और डिप्लोमा उत्तीर्ण आयु 29 वर्ष तक के इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर अपने बॉयोडाटा, आधार कार्ड एवं शेक्षणिक, तकनीकी योग्यता मूल और छायाप्रतियों के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। अधिक जानकारी के लिए आवेदक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था राजनांदगांव में भी संपर्क कर सकते है।

दुर्ग में ट्रांसफार्मर चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

दुर्ग भिलाई। जिले के पाटन थाना पुलिस ने अंतर जिला ट्रांसफार्मर चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरों का यह गैंग दिन में रेकी करते थे, जिसके बाद रात में चोरी किया करते थे। पाटन थाना पुलिस ने ग्राम लमकेनी से आरोपियों को घेराबंदी कर धर दबोचा है। तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पाटन एसडीओपी देवांश सिंह ने बताया, मुखबीर से सूचना मिली कि ट्रांसफार्मर के सामानों एवं क्लाईल को चोरी करने वाले आरोपी ग्राम लमकेनी के वीरभद्र वैष्णव के सब्जी बाड़ी में हैं। इसके बाद पुलिस की टीम ने एसीसीयू के साथ दबिश दी और मौके से तीन आरोपियों को धर दबोचा है। जिनमें आरोपी कामता उर्फ राजा दास (25 साल) निवासी कुरूद जिला धमतरी, कुलदीप यादव (27 वर्ष) निवासी ग्राम लमकेनी अभनपुर, सोनू पांडेय उर्फ उमापति (33 वर्ष) निवासी सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

मनेंद्रगढ़ बस हादसे पर रेणुका सिंह ने जताया दुःख

मनेंद्रगढ चिरमिरी भरतपुर। रविवार की रात मनेंद्रगढ़ में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। जनकपुर तिराहे पर एक बस ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। जिसमें तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और 15 अधिक यात्री घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को फौरन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर पहुंचाया। हादसे पर विधायक रेणुका सिंह ने दुःख जताया और घायलों के उचित उपचार के निर्देश दिये हैं। भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने जनकपुर तिराहे में हुई बस दुर्घटना पर दुख जताया है। उन्होंने में मृत व्यक्तियों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है। साथ ही एमसीबी कलेक्टर से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली है। उन्होंने घायलों के उचित उपचार और सहायता करने के निर्देश भी दिये हैं। कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनकपुर में चिकित्सा व्यवस्था पर नजर बनाए रखे हुए हैं।जनकपुर तिराहे पर बेकाबू हुआ बस-पूरा मामला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के जनकपुर तिराहे का है।

सलखन में हुई दो हत्या का मामला सुलझाने में पुलिस कामयाब

जांजगीर चांपा। थाना शिवरीनारायण क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलखन के दो स्कूली छात्रों की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है.स्कूल में पढने वाले साथी तथा उनके मित्रों ने मिलकर हत्या की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है।

घटनाक्रम का सिलसिलेवार खुलासा करते हुए जांजगीर एसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि 7 जनवरी गो थाना शिवरीनारायण क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलखन के दो बालको के गुम जाने की खबर आई और परिजनो ने 9 जनवरी को रिपार्ट दर्ज कराई जिससे पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 17/2024 एवं 18/2024 धारा 363 भादवि कायम कर विवेचना कार्रवाई में लिया गया।

इस बीच 12जनवरी को सूचना मिली कि ग्राम बरभांठा नहर पुल में नहर के अंदर पानी में एक शव सेमरा से गोदना की तरफ आ रही नहर में पानी खुल जाने से बहकर आकर फंसा है, जिसे बाहर निकाल कर पंचनामा कार्यवाही दौरान शव की पहचान गुम नाबालिग के रूप में हुई जिसकी हत्या कर नहर में छुपाने का प्रयास किया गया था। दूसरे गुम हुए बालक की भी तलाश की गई। जिसका शव उसी नहर में

पोडी डबरी फॉल पुल के पास कचरे के साथ फंसा मिला दोनों की हत्या की आशंका पर शॉर्ट पी.एम. रिपोर्ट अनुसार सिर में घातक चोट पहुचाने से सिर फटने के कारण मृत्यु होने से उक्त प्रकरण में धारा 302,201 भादवि समाहित कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

विवेचना के दौरान रास्ते के सी.सी.टी.व्ही फूटेज एवं तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा तथा मुखबीर की सहायता से विधि से संघर्षरत् बालक, को सादे वेश भूषा में उनके परिजनों के समक्ष पूछताछ किया गया जिसने बताया कि स्वयं तथा मृतक दोनों ही अपने स्कूल में पढने वाली नाबालिक प्रेमिका को चाहते थे, जिससे आपस में मनमुटाव था. जिसके चलते विधि से संघर्ष बालक तथा अन्य दो विधि से संघर्षरत् बालक तथा मुख्य आरोपी हेंमत प्रसाद बंजारे पिता सुकालू प्रसाद बंजारे 21 वर्ष, प्रभात भैना पिता आनंद राम भैना 19 वर्ष दोनों साकिनान टंकी के पास नहर पार बरभांठां थाना नवागढ के बताये अनुसार तथा पूर्व में निर्धारित योजना अनुसार मृतक नाबालिग को उसके प्रेमिका से मिलाने हेतु रात्रि 10.30 बजे लगभग ग्राम बरभांठा के पानी टंकी के पास से सेमरा की ओर सूखी नहर तीसरे फॉल के पास बुलाया गया, सभी योजना अनुसार नहर के झाडियों में लोहे की राड तथा पाईप लेकर छुपे थे विधि से संघर्षरत् बालक के द्वारा दोनो मृतकों के निर्धारित स्थान पर बुलाकर आने पर आरोपियों एवं विधि से संघर्षरत् बालकों द्वारा लोहे की रॉड एवं पाईप से दोनों के सिर में प्राण घातक प्रहार कर हत्या कर नहर के फॉल में दोनों के शवों को गढढे में डालकर उपर से पास के खेत से धान का पैरा लाकर ढ़क दिये तथा मृतक के मोटर सायकल को घटना स्थल से लगभग 02 किमी. मुडपार रोड के किनारे तालाब में छिपा दिये।

डीएसपीएम प्लांट में विशालकाय अजगर मिलने से हड़कंप, वाइल्डलाइफ टीम ने किया रेस्क्यू

कोरबा। कोरबा में डीएसपीएम प्लांट में तैनात महिला सैनिक की स्कूटी के नीचे विशालकाय अजगर मिलने से हड़कप मच गया। गुस्से से अजगर लगातार हमला कर रहा था घटना की सूचना तत्काल रेस्क्यू टीम को दी गई, जहां मौके पर पहुंच रेस्क्यू शुरू किया गया।

कोरबा जिला जैव विविधता से भरा हुआ है, वहीं छोटे पक्षियों से लेकर विशालकाय हाथियों का बसेरा हैं साथ ही शहर में भी लगातार कुछ जीवों का दिखना आम बात है। जिले के छोटे बड़े प्लांटो में भी अक्सर छोटे सांपो से लेकर विशालकाय अजगर अपनी मौजूदगी दर्ज कराते रहते हैं, यही मौजूदगी लोगों के लिए डर और परेशानी पैदा कर देती है। ऐसा ही मामला कोरबा जिले के डीएसपीएम कोरबा पूर्व में देखने को मिला जहां तड़के सुबह सुरक्षा में तैनात महिला सैनिक अपना स्कूटी खड़े कर के ड्यूटी कर ही रही थी तभी आचनक कहीं से एक विशालकाय अजगर को स्कूटी के निचे बैठे देखने में

डर गई। विशालकाय अजगर को बैठा देख सबके हाथ पैर फूल गए जिसके बाद इसकी जानकारी वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी को दिया जिस पर सारथी ने थोड़ी देर में पहुंचने की बात कहीं तब तक सांप पर नज़र बनाए रखने की बात कही फिर थोड़ी देर बाद डीएसपीएम प्लांट पहुंचे और स्कूटी के निचे बैठे अजगर को बड़ी सावधानी से रेस्क्यू करना प्रारंभ किया पर अजगर को खतरा महसूस होने पर लगातार हमला करने लगा फिर आखिरकार विशालकाय नौ फीट के अजगर का रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों से की मुलाकात

महासमुन्द। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में केन्द्रीय मंत्री शेखावत महासमुंद के झालखम्हारिया पहुंचे जहां उन्होंनें विशेष पिछड़ी जनजाति कमार परिवार रामसिंह के घर जाकर परिवार वालों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मौजूद करीब 50 परिवारों से भी केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंनें केंद्र सरकार की तरफ से मिल रही योजनाओं की जानकारी ली। साथ ही पीएमजीएसवाय के तहत बनने वाले 12 सड़कों का भूमिपूजन किया। इस दौरान सांसद चुन्नीलाल साहू, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा सहित कलेक्टर एसपी व तमाम अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मंत्री टंकराम वर्मा ने शंकर नगर स्थित बी-5/10 बँगला में कार्यालय किया प्रारंभ

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने आज शंकर नगर स्थित बी-5/10 बंगला में कार्यालय प्रारम्भ किया। श्री वर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके परिवारजन भी मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर कुनबी समाज के कलैण्डर का विमोचन

रायपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर छग प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन द्वारा प्रकाशित 2024 के वार्षिक कलैण्डर का विमोचन पहुना में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री साय द्वारा उपस्थित समाजिक प्रतिनिधियों को मकर संक्रांति की शुभकामना देते कुनबी समाज के द्वारा किये जाने वाले मानव सेवा की सराहना की गई। इस अवसर पर छग कुनबी समाज के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत भाऊ भुनेश्वर, महासचिव पंकज ब्राम्हणकर, प्रदेश सचिव अमित डोये, प्रदेश महिला मण्डल अध्यक्ष सारिका गेडेकर सहित सदस्यगण हेमलता शिवणकर, नैना गाढवे, लताताई झलके, निकेश तितरमारे उपस्थित थे।

सेंट जोसेफ स्कूल में रंगारंग वार्षिकोत्सव 'कोरोला 2024' संपन्न

रायपुर। राजधानी के अमलीडीह में स्थित संत जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कल वार्षिकोत्सव 'कोरोला 2024' का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि मोतीलाल साहू, विधायक- रायपुर ग्रामीण तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नानू ठाकुर, पार्षद- अमलीडीह व रायपुर के सेवानिवृत्त आर्च बिशप तथा शाला संस्था के पूर्व अध्यक्ष महामान्यवर जोसेफ ऑगस्टिन तथा शहर के गणमान्य नागरिक और अभिभावक उपस्थित रहे. कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के स्काउट टीम द्वारा परेड करते हुए मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों को विद्यालय प्रांगण के मुख्य द्वार से मंच तक पहुंचाया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भिन्न भिन्न राज्यों की संस्कृति एवं देशप्रेम की भावना को नृत्य व एकांकी के माध्यम से प्रस्तुति देते हुए विविधता में एकता का परिचय दिया. साथ ही मिशन चंद्रयान-3 की सफलता को भी बखूबी ढँग से प्रस्तुति देते हुए देशप्रेम के प्रति युवाओं के मनोबल को बढ़ाया.

प्रदेश के 3 लाख नवयुवकों से प्रधानमंत्री मोदी करेंगे सीधा संवाद

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने सोमवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी कार्य योजना बनाई है। इसी परिप्रेक्ष्य में भाजयुमो द्वारा नव मतदाता सम्मेलन किया जा रहा है। इस अभियान से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 जनवरी 2024 को पूरे देशभर के 5000 एवं छत्तीसगढ़ के 176 स्थानों के नव मतदाताओं से लाइव कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ेंगे। इसमें 3 लाख से ज्यादा नवयुवकों से प्रधानमंत्री श्री मोदी सीधे संवाद करेंगे। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नमो एप से युवा जुड़कर प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार के 10 वर्षों की जन कल्याणकारी नीतियों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए एप के माध्यम से 100 दिन का चैलेंज कार्यक्रम रखा जा रहा है।

सभी 11 सीटें जीतने का लक्ष्य

रायपुर। श्री भगत ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव के नेतृत्व में भाजयुमो आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस चुका है और प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों में जनता के आशीर्वाद से कमल खिलाएंगे।

प्रधानमंत्री से संवाद कर जागा पहाड़ी कोरवा मनकुंवारी के मन में आत्मविश्वास

प्रधानमंत्री ने पहाड़ी कोरवा महिला मनकुंवारी बाई के कार्यों की सराहना की

रायपुर। शहर से बहुत दूर घने जंगलों में रहकर कभी घासफूस के आशियानों में, कभी बारिश तो कभी तूफानों को सहने वाले, कभी अंधेरों में साँप बिच्छू के साये में दहशत से रात काटने वाले और कभी स्वच्छ पानी सहित बीमारियों में गरीबी की वजह से उपचार के लिए तरसने वाले और जंगली जानवरों के बीच संघर्ष करने वाले पहाड़ी कोरवाओं का जीवन सदैव विषम परिस्थितियों के बीच गुजरा है। ऐसी ही संघर्ष और चुनौतियों के साथ जीवनयापन करती आई पहाड़ी कोरवा महिला मनकुंवारी बाई ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन रस्सी खींचने, अनगिनत बोझ उठाने वाले उनके परिश्रमी हाथों- सिर पर वह माइक- माइक्रोफोन भी आएगी जिससे वह देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से संवाद स्थापित कर अपनी जिंदगी के कठिन सफर को सरल बनने और जीवनशैली में आएं बदलाव को बयां कर पाएगी...।

जशपुर जिले के बगीचा तहसील अंतर्गत ग्राम सलखाडाण्ड (कुटमा ग्राम पंचायत) की रहने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा मनकुंवारी बाई को जब प्रधानमंत्री जी से बात करने का मौका मिला तो उन्होंने बेझिझक अपनी बातें रखी। प्रधानमंत्री जनमन योजना से मिले लाभ को बताने के साथ ही उन्होंने अपने हाव भाव से उस दर्द को भी अहसास करवाया जो कभी उनकी असलियत थी। इससे पहले मनकुँवारी का नाम पीएम से संवाद के लिए आते ही सबके चेहरे में मुस्कान के साथ तालियों की गडग़ड़ाहट गूंज उठी। मनकुंवारी के जय जोहार करते ही यह मुस्कान और तालियों की गूँज और भी बढ़ गई।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से लाभान्वित विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के लिए आज का दिन बहुत

खास था। जशपुर जिले के बगीचा तहसील मुख्यालय में पीएम जनमन योजना के कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाली श्रीमती मनकुंवारी बाई से देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद स्थापित किया। उन्होंने पहाड़ी कोरवा मनकुंवारी बाई से जब पूछा कि अपने बारे में बताइए तो उन्होंने खुद को एक जनमन संगी बताते हुए प्रधानमंत्री जनमन योजनाओं से मिले लाभ और पहले तथा अब के हालातों में हुए परिवर्तन को बखूबी बताया। मनकुंवारी ने बताया कि पीएम आवास के रूप में पक्का मकान मिलने के पश्चात बिजली,पानी जैसी सुविधाएं मुहैया हुई है।

प्रधानमंत्री ने जब पहाड़ी कोरवा मनकुंवारी बाई से पूछा कि गैस और पानी कनेक्शन से जीवन में कैसे बदलाव आया है तो उन्होंने बताया कि घर का चूल्हा जलाने के लिए पहले हमेशा जंगल जाना पड़ता था। लकडिय़ा लाकर खाना बनाना पड़ता था। अब गैस का कनेक्शन मिलने से जंगल जाने की चुनौतियाँ दूर हो गई है। बच्चों को समय पर खाना मिल जाता है। पहले पानी के लिए ढोढ़ी और कुँआ पर निर्भर रहना पड़ता था। एक से दो किलोमीटर दूर तक पानी लाना पड़ता था। गंदे पानी पीने से बीमारी भी हो जाती थी,अब नल लगने से साफ पानी मिलता है। पानी और गैस कनेक्शन की उपलब्धता से समय की बचत हो रही है।

उन्होंने अपनी महिला स्व-सहायता समूह के विषय में बताया कि उनके समूह में कुल 12 महिला सदस्य है और दोना पत्तल बनाने का काम करती है। मनकुंवारी बाई ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को बताया कि जनमन संगी के रूप में वह अपने जनजाति समाज के सदस्यों को सरकार की योजनाओं की जानकारी देती है और आयुष्मान कार्ड,राशनकार्ड, जॉब कार्ड,आधार बनाने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने जनमन योजना के लिए पीएम को धन्यवाद देते हुए यह भी बताया कि हम सभी पहाड़ी कोरवा और पिछड़ी जनजातियों को बहुत समस्याओं से जूझना पड़ता था। 75 साल से हमारा समाज विकास से जैसे दूर रहा, लेकिन कुछ दिनों के भीतर अनेक योजनाओं का लाभ मिला, यह हमारे लिए सौभाग्य भी है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में शामिल युवतियों को बेटियां कहकर संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद से नाता जरूर जोड़कर रखे और शानदार प्रदर्शन करें।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनमन योजना के उदघाट्न कार्यक्रम में पहाड़ी कोरवा मनकुंवारी बाई से हुए संवाद और उनसे मिली जानकारी के पश्चात कहा कि मुझे खुशी हुई कि आपको योजनाओं का लाभ मिला और खुद लाभ उठाते हुए दूसरे को भी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। इससे आप लोगों की जिंदगी आसान हुई,यह जानकर बहुत अच्छा लगा। देश के प्रधानमंत्री से संवाद के पश्चात मनकुंवारी बाई ने बताया कि पीएम से बात करके उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और खुशी महसूस होने के साथ समाज को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा भी मिली। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, विधायक श्रीमती रायमुनी भगत और श्रीमती गोमती साय भी उपस्थित थी।

सीएम ने किया प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम का शुभारंभ

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण के साथ प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय उपस्थित रहे।

मानसिक दृढ़ता और संकल्प का भी परीक्षण करती है बॉडी बिल्डिंग: बृजमोहन

■ बॉडी बिल्डिंग और पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप के विजेताओं को मेडल प्रदान किए

रायपुर। बॉडी बिल्डिंग और पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताएं हैं जो प्रतिभागियों से कड़ी मेहनत और समर्पण की मांग करती हैं। ये प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक प्रदर्शन का परीक्षण करती हैं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और संकल्प का भी परीक्षण करती हैं यह बात वरिष्ठ मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बूढ़ेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित मिस्टर रायपुर 2024 एंड छत्तीसगढ़ स्टेट बॉडी बिल्डिंग एंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के दौरान कही।

बृजमोहन अग्रवाल ने विजेता बॉडी बिल्डर को मेडल और कैश प्राइज दिया। अग्रवाल ने कहा कि,भाजपा सरकार खेल और खिलाडिय़ों को हमेशा से ही प्रोत्साहित करती रही है आने वाले समय में राज्य में खेल पुरस्कार और उत्कृष्ट खिलाडिय़ों को नौकरी देने के प्रयास किए जाएंगे। बृजमोहन

अग्रवाल ऑल इण्डिया बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके है। इस चैंपियनशिप में राबिन सिंह को मिस्टर रायपुर, कामेश्वरी को मिस रायपुर और दिव्यांग वर्ग में ए शिवा राव को खिताब मिला। रायगढ़ की आभा कुजूर ने तीन खिताब अपने नाम किए । प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक भिलाई के अरविंद सिंह अंतर्राष्ट्रीय जज बॉडी बिल्डिंग के महेंद्र टेका, प्रोटीन विला के दुर्गेश साहू, हेमंत परमाले, निर्मल भारती, शशि साहू, सागर दास, धर्मेंद्र दास रहे। कार्यक्रम का संचालन पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन छग के महासचिव ऊदल वाल्मीकि ने किया। चैंपियनशिप का आयोजन रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के सचिव मानिक ताम्रकार ने किया।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेस के जाने से इंकार पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र शेखावत का तंज

कई घटनाएं हैं जब पूरे देश को गर्व हुआ, तब कांग्रेस कर रही थी विरोध

रायपुर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे हुए हैं। केन्द्रीय मंत्री शेखावत सुबह-सुबह वीआईपी चौक स्थित राम मंदिर में भगवान राम के दर्शन करने पहुंचे। जहां उन्होंने मंदिर के प्रांगण में झाड़ू भी लगाया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कांग्रेस के श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर अयोध्या न जाने के फैसले पर बयान देते हुए तंज कसा है। गजेन्द्र शेखावत ने कहा कि ऐसी कई घटनाओं को चिन्हित कर सकते हैं कि जब पूरा देश गर्व कर रहा था। तब कांग्रेस विरोध कर रही थी।

जल जीवन मिशन की बैठक पर गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि एक बार निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए। किसी भी तरह का भ्रष्टाचार अगर हुआ है तो उसकी जांच होगी। पीएम मोदी के लक्ष्य के अनुरूप काम करेंगे।

श्रीराम मंदिर के दर्शन पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि

500 वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त कर प्रभु श्रीराम अपने घर में प्रवेश करेंगे। रायपुर के भव्य राम मंदिर के दर्शन किए। सेवा के संकल्प को लेकर राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

कमार बसाहट को जोड़ने करोड़ों की लगत से बनेगी सड़कें

महासमुंद। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पीएम जनमन योजना अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति कमार बसाहट को जोड़ने के लिए महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम झालखमरिया में आज 12 सड़कों का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरूण साव, सांसद चुन्नीलाल साहू, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा,पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकार, पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा, रूप कुमारी चौधरी, सरपंच यशवंत साहू और कलेक्टर प्रभात मलिक भी मौजूद थे। बता दें कि, इन 12 सड़कों को बनाने की लागत 9 करोड़ 64 लाख 20 हजार रूपये है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम जनमन के अंतर्गत महासमुंद जिले में में कुल 12 कमार बसाहट को जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 12 सड़कों की स्वीकृत की गई है। रविवार को ग्राम झालखमहरिया में भूमि पूजन केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया। सड़कों की कुल 13.800 किलोमीटर लंबाई है। जिसकी लागत 9 करोड़ 9 करोड़ 64 लाख 20 हजार रूपये है।

रायपुर में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक अनिरुद्धाचार्य करेंगे कथा

18 जनवरी को रायपुर पहुंचेंगे अनिरुद्धाचार्य

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक अनिरुद्धाचार्य श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करने राजधानी रायपुर में आ रहे हैं। इस आयोजन की तैयारी हनुमान मंदिर मैदान में शुरू कर दी गई है। राम मंदिर की तर्ज पर श्रीमद् भागवत कथा का पंडाल बनाया जा रहा है। भागवत कथा के पहले दिन राज्यपाल पहुंचेंगे और कथा के दूसरे दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री साय विष्णुदेव भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही 23 जनवरी को हैदराबाद भाग्य नगर के भाजपा विधायक टी। राजा सिंह भी शामिल होंगे।

रायपुर में कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य जी का पहली बार कथा वाचन हो रहा है। अनिरुद्धाचार्य महाराज 18 जनवरी की शाम को फ्लाइट से रायपुर पहुंचेंगे। इसके बाद एयरपोर्ट से बाइक रैली के माध्यम से भारत माता चौक जाएंगे। इसके बाद भारत माता चौक से एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो गुढ़ियारी के हनुमान मंदिर

मैदान पर समाप्त होगी।

प्रतिदिन भागवत कथा का आयोजन दोपहर 1:00 से शाम 4:00 बजे तक होगा। शाम 6:00 से 7:00 बजे तक प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम भी रखा गया है, जिसमे भक्तों के सवालों का जवाब अनिरुद्धाचार्य महाराज देंगे। श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसलिए पास सिस्टम की भी व्यवस्था की गई है, ताकि किसी को कथा वाचन के दौरान बेवजह परेशानी ना हो।

रोजाना भागवत कथा दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगा। जिसका लाइव प्रसारण संस्कार टीवी, फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर भी किया जाएगा। 19 जनवरी को देव प्रतिष्ठा एवं सुकदेव आगमन होगा। 20 जनवरी को विराट स्वरूप वर्णन एवं श्री ध्रुव चरित्र का वर्णन किया जाएगा। 21 जनवरी को प्रहलाद चरित्र और गजेंद्र मोक्ष का वाचन होगा। 22 जनवरी को वामन अवतार श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं नंद उत्सव का आयोजन होगा। 23 जनवरी को बाल लीला माखन चोरी गोवर्धन पूजा और 56 भोग का कार्यक्रम होगा। 24 जनवरी को रुक्मणी विवाह महोत्सव एवं सुदामा चरित्र आयोजित किया जाएगा। 25 जनवरी को नव योगेश्वर संवाद द्वादश स्कंध पर कथा वाचन करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

..तो रामलला के दर्शन कराने में लग जाएंगे 1500 साल: सुशील

रायपुर। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के लिए %भाजपा के घोषणा पत्र मोदी की गारंटी% के तहत श्रीरामलला दर्शन के वादे को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी राम के नाम पर जनता को ठगने का काम कर रही है। विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने वादा किया था कि छत्तीसगढ़ के हर नागरिक को रामलला के दर्शन करायेंगे। मंत्रिमंडल में निर्णय लिया है कि 1 साल में केवल 20 हजार लोगों को दर्शन करायेंगे। इस निर्णय के अनुसार तो पूरे 5 साल के कार्यकाल में केवल 1 लाख लोगों को ही दर्शन करा पाएगी। जबकि छत्तीसगढ़ की पौने 3 करोड़ आबादी है। हर साल 20 हजार के अनुसार तो पूरी आबादी को रामलला के दर्शन कराने में 1500 साल लग जाएंगे। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि हर साल कम से कम 60 लाख लोगों को रामलला दर्शन की योजना बनाई जाए ताकि पांच सालों में सभी लोग दर्शन कर पाये।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बड़े-बड़े वायदे कर जनता का वोट लेना फिर उनको ठगना भाजपा की पुरानी

आदत है। भाजपा ने मोदी की गारंटी के नाम पर जनता से बड़े-बड़े वायदे किये थे। सरकार बनने के बाद उन वायदों से मुकरने के लिये कार्ययोजना बनाई जा रही। महतारी वंदन के नाम पर महिलाओं का वोट हासिल किया, अब महिलाओं को पैसे नहीं दिये, किसानों को धान की कीमत 3100 रुपये देने और एकमुश्त भुगतान का वायदा किया था, धान खरीदी का अंतिम दौर आ गया, लेकिन अभी तक धान के भुगतान का कोई निर्णय नहीं हुआ। 500 रुपये में गैस सिलेंडर देना भी भाजपा सरकार भूल चुकी है। किसानों के 2 लाख कर्जा माफ पर भी मुकर गये।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। यह यात्रा 6200 किलोमीटर चलकर मुंबई में पहुंचकर खत्म होगी। यह यात्रा छत्तीसगढ़ से होकर भी गुजरेगी। इस दौरान राहुल गांधी करीब 5 दिन तक छत्तीसगढ़ में रुकेंगे। प्रदेश में 36 किलोमीटर की यहा यात्रा सात जिलों से होकर निकलेगी। जिसका कांग्रेसीजन छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक स्वागत की तैयारी कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में जमीन फर्जीवाड़े पर लगेगा ब्रेक

■ प्रॉपर्टी के पंजीयन में होने वाली हेरा फेरी रोकने सरकार ने लाई एनजीडीआरएस तकनीक

रायपुर। प्रॉपर्टी को लेकर विवाद के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। आए दिन संपत्ति की हेराफेरी या इसमें फर्जीवाड़ा होने का मामला सामने आता है। ऐसे में इन समस्याओं पर ब्रेक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने नया रास्ता निकाला है। सरकार अब राष्ट्रीय दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस) के जरिए ऐसे मामलों में कमी लाने के प्रयास में है। ये प्रणाली देशभर में लागू होगी। वहीं छत्तीसगढ़ में आज से रायपुर जिले में इसे लागू किया जा रहा है।

इस नई प्रणाली में आधार, पैन नंबर इंटीग्रेशन के साथ ही बैंकों से आनलाइन भुगतान की सुविधा

मिलेगी। पंजीयन, राजस्व के साथ आयकर का जुड़ाव होने से किसी प्रकार के भ्रम पर संपत्तियों का खाका साफ्टवेयर पर तत्काल दिखाई देगा। जो लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा होगी।

एनजीडीआरएस प्रणाली वर्तमान में देश के 11 राज्यों में लागू है। केंद्र सरकार के भूमि संसाधन विभाग की देख-रेख में एनआइसी (एनआईसी) ने इसका सॉफ्टवेयर तैयार किया है। जिसमें सभी राज्यों का डेटा एनआइसी के क्लाउड सर्वर में सुरक्षित रखा होता है। आम लोगों के लिए इस सिस्टम में आइडी-पासवर्ड की सुविधा है। इसके जरिए आम लोग ऑनलाइन भुगतान के साथ जमीनों के दस्तावेजों की जांच भी कर सकते हैं। राज्य के सभी पंजीयन कार्यालयों में एनजीडीआरएस सिस्टम लागू किए जाने की तैयारियां चल रही है। जानकारी के मुताबिक मार्च-2024 तक सभी जिले के कार्यालयों में एनजीडीआरएस प्रणाली से अचल संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। आज यानी 15 जनवरी से इसे रायपुर में लागू किया जा रहा है। इससे पहले धमतरी, अभनपुर और महासमुंद में 45,000 से ज्यादा दस्तावेजों का पंजीयन किया जा चुका है। वहीं दूसरे चरण में महासमुंद जिले के सरायपाली, बसना, पिथौरा, कुरूद और नगरी में 11 जनवरी से यह पद्धति लागू की गई है।

लोगों को होगी सहुलियत

पंजीयन में लगने वाला अतिरिक्त समय बचेगा। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, पेमेंट की सुविधा मिलेगी। राजस्व विभाग के साथ इंटीग्रेशन होने पर विक्रयशुदा खसरे और मालिकाना हक की जांच। पक्षकार द्वारा ऑनलाइन सभी जानकारी स्वत- प्रविष्टि किए जाने से गलती की संभावना कम रहेगी। मोबाइल पर एसएमएस के जरिए मिलेगी पंजीयन की तारीख की जानकारी। वेबसाइट www.NGDRS.gov.in के सिटीजन पोर्टल में लॉग इन के लिए यूजर मैनुअल की होगी सुविधा। अधिकारियों की मानें तो इस नई प्रणाली के जरिए जमीनों के फर्जीवाड़े के मामले में कमी आएगी और सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा। संपत्ति के अधिकारी और स्वामित्व की जांच के लिए राजस्व विभाग के भुइंया पोर्टल से इंटीग्रेशन किया गया है।

भाजपा युवा मोर्चा ने छत्तीसगढ़ के 11 की 11 सीटें जीतने का किया दावा

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने एकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव में 400 सीट पार का नारा दिया है। रवि भगत ने बताया कि 11 की 11 सिट में कमल खिलने के लिए बैठक हुई है। कार्यशाला जीरो संपन्न हो रही है। युवा मोर्चा नव मतदाता सम्मेलन की तैयारी कर रहा है। 90 विधानसभा में मतदाता सम्मेलन किया जाएगा। डिजिटल युग है, डिजिटल युग में किस तरह से युवा जुड़े उसको लेकर जागरूक अभियान चलाया जा रहा है। स्कूल, कोलेज और महाविद्यालय सहित सभी जगह में हम जा रहे हैं। बस्तर के कुछ सिट है, कुछ बूथ है। वहां हम नव मतदाता सम्मेलन करेंगे। प्रदेश के प्रोफेशनल युवा, चिकित्सक, कर्मचारी, व्यापारी सहित कई लोगों के साथ युवा सम्मेलन करने वाले हैं। आने वाले समय में युवा मोर्चा कार्यकर्ता सरकार लाने में सफल हुआ है। सभी विषयों युवाओं को कैसे लाभ मिले उसको लेकर भी हम काम करते रहे हैं। लोकसभा चुनाव में 11 की 11 सिट हम दे सके उसे लेकर हम काम करेंगे।

कांग्रेस अपना घर दुरुस्त करें

अक्षय शुक्ला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण पर निकल चुके हैं। कन्याकुमारी से कश्मीर के बाद अब वे मणिपुर से महाराष्ट्र की न्याय यात्रा पर निकले हैं। 67 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 14 राज्यों के 85 ज़िलों से गुज़रेगी। इनमें हिंदी पट्टी वाले वे राज्य भी हैं, जहां हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले होने वाली यह यात्रा इन राज्यों में पार्टी की स्थिति में कोई बड़ा बदलाव ला देगी, कहना मुश्किल है। क्योंकि चुनाव परिणाम के बाद भी जिस गंभीर मंथन की ज़रूरत थी, वह दिखी नहीं। तीनों प्रदेशों में इतनी बुरी हार के बावजूद पार्टी के कई नेता आत्मावलोकन करने के बजाय सोशल मीडिया पर शिवराज सिंह चौहान, रमन सिंह और वसुंधरा राजे को किनारे करने की चर्चा में लीन थे और बीजेपी की चुटकियां ले रहे थे। हद तो तब हो गई, जब इनमें से बहुत से नेता शिवराज के लिए सहानुभूति तक जताते दिखे। अरे भाई, कुछ समय पहले तक मध्यप्रदेश की दुर्गति के लिए जिस मुख्यमंत्री को आप घेर रहे थे, तो अब उनके लिए ये नकली आंसूं बहाने का क्या मतलब। बीजेपी ने तो उन्हें सीएम फेस के रूप में पेश भी नहीं किया था और वैसे भी वह किसे मुख्यमंत्री बनाती है, किसे नहीं, यह पूरी तरह पार्टी का अंदरूनी मामला है, ऐसे में विपक्ष की यह चिंता समझ से परे थी। खासकर तब, जब दूसरे के घर में झांकने के बजाय अपनी कमियों पर चिंतन करने का वक्त था। इन नेताओं को यह नहीं दिखा कि सीएम फेस न होने के बावजूद चौहान पूरे इलेक्शन में ऐसे मेहनत करते रहे, जैसे यह उन्हीं के नाम पर लड़ा जा रहा हो। यह उस पार्टी के लिए बड़ा संदेश था, जिसके बड़े नेता राज्य पर फोकस करने के बजाय पांच साल तक आपसी रस्साकशी में ही उलझे रहे। वैसे भी बीजेपी में ऐसे परिवर्तन कोई नई बात तो नहीं थी। 18 साल पहले जब शिवराज ने मध्य प्रदेश की कुर्सी संभाली थी, तब भी सब इसी तरह चौंके थे, जैसे अब मोहन यादव के नाम पर चौंके हैं। उमा भारती और बाबूलाल गौर जैसे दिग्गजों के आगे शिवराज के नाम की किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। एक नए व अनजान चेहरे को सीएम बनाने पर तब खूब सवाल भी उठे। लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया कि 17 साल तक मुख्यमंत्री पद संभालने वाले उन्हीं शिवराज को प्रधानमंत्री मोदी के लिए खतरा बताया जाने लगा था। कांग्रेस अगर वाकई बीजेपी से टक्कर लेने को गंभीर है, तो उसे सबसे पहले बीजेपी के अंदर क्या चल रहा है, इसकी चिंता छोड़ अपनी पार्टी पर फोकस करना होगा। बीजेपी को ही देखना है तो कम से कम यह देखें कि तीनों राज्यों में इतनी बड़ी जीत के बाद भी उसने जमे-जमाए दिग्गजों के बजाय कैसे नए चेहरों को मौका दिया है। राजस्थान के पूरे कार्यकाल में यही लड़ाई गहलोत और पायलट के बीच चलती रही, पर कांग्रेस ने उसे सुलझाने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की। बीजेपी से मुकाबले के लिए एकजुट हुए विपक्ष के ज्यादातर दलों में भी यही समस्या है कि वहां नई पीढ़ी को मौका ही नहीं मिल पाता है। सीनियर नेता चुनाव नहीं जितवा पा रहे, तब भी अपनी जगह नहीं छोड़ना चाहते। उन दलों का एक कर्मठ कार्यकर्ता सपने में भी सोच नहीं सकता कि वह कभी टॉप पोस्ट तक पहुंच पाएगा। कुछ साल पहले राहुल गांधी ने युवा फोर्स को आगे लाने की पहल की भी, लेकिन एक साथ कई सीनियर नेताओं ने उनके खिलाफ बगावत कर दी। मीडिया में भी खूब बहस हुई कि तजुर्बेकार नेताओं को यूं किनारे करना ठीक नहीं, उनके अनुभव का फायदा उठाने के लिए उन्हें साथ लेकर चलना चाहिए। आखिरकार पार्टी को वापस सीनियर नेताओं को आगे लाना पड़ा।

विष्णु देव साय के सिर पर कांटों का ताज

योगेश कुमार गोयल

छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनाव परिणाम घोषित हुए एक महीने से भी ज्यादा हो चुका है और सभी मंत्रियों को विभाग आवंटित किए जाने के बाद प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के गठन का काम पूरा हो चुका है। कई दिनों के इंतजार के बाद पिछले दिनों छत्तीसगढ़ में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा किया गया, जिसमें मुख्यदमंत्री विष्णु देव ने अपने पास पांच विभाग रखे हैं जबकि दोनों उपमुख्यमंत्रियों को भी अहम विभाग सौंपे गए हैं। मुख्यमंत्री ने सामान्य प्रशासन विभाग, खनिज, जनसम्पर्क, परिवहन और आबकारी विभाग अपने पास रखा है जबकि उपमुख्यमंत्री अरुण साव को लोक निर्माण साथ पीएचई, विधि, और नगरीय प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को गृह विभाग के अलावा पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग दिया गया है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 13 मंत्री हो सकते हैं और मुख्यमंत्री साय तथा दो उपमुख्यमंत्रियों के अलावा राज्य में 10 और मंत्री बन सकते हैं।

बृजमोहन अग्रवाल को स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, रामविचार नेताम को आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग, दयालदास बघेल को खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, केदार कश्यप को वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता विभाग, लखनलाल देवांगन को वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग, श्याम बिहारी जायसवाल को लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग, ओपी चौधरी को वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, लक्ष्मी राजवाड़े को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग और टंकराम वर्मा को खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग आवंटित किए गए हैं। सभी विभागों के आवंटन के बाद मंत्री का एक पद रिक्त रह गया है, जिसे बाद में भरा जाएगा। 3 दिसम्बर को छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के 10

दिन बाद 13 दिसंबर को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में विष्णु देव साय के साथ दो उपमुख्यमंत्रियों अरुण साव और विजय शर्मा ने भी शपथ ली थी। उसके बाद हुए मंत्रिमंडल विस्तार में 22 दिसंबर को 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई थी, जिन्हें करीब एक सप्ताह बाद विभाग आवंटित किए गए।

विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल की सबसे खास बात यह है कि साय कैबिनेट में सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा आलाकमान द्वारा मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों में जातिगत समीकरणों का इस प्रकार ख्याल रखा गया है ताकि आगामी लोकसभा चुनाव में सभी वर्गों के मतदाताओं को साधा जा सके। प्रदेश की 12 सदस्यीय कैबिनेट में 2 सामान्य, 6 ओबीसी, 3 एसटी और 1 एससी को शामिल किया गया है। मंत्रिमंडल में 8 बार के विधायक बृजमोहन अग्रवाल, वरिष्ठ नेता केदार कश्यप, दयालदास बघेल और रामविचार नेताम ऐसे चेहरे हैं, जो पिछली भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके हैं जबकि अरुण साव, विजय शर्मा, आईएएस से नेता बने ओपी चौधरी और टंकराम वर्मा पहली बार विधायक बनने के बाद मंत्री बने हैं जबकि श्याम बिहारी जायसवाल और लखनलाल देवांगन पहले भी एक बार विधायक रहे हैं। मुख्यमंत्री सहित कुल 12 मंत्रियों में से सर्वाधिक 6 ओबीसी वर्ग से रखे गए हैं, जिनमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जयसवाल, टंकराम वर्मा, ओपी चौधरी और लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हैं जबकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रामविचार नेताम और केदार कश्यप अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। एससी वर्ग यानी अनुसूचित जाति से दयालदास बघेल और सामान्य वर्ग से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा बृजमोहन अग्रवाल को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। लक्ष्मी राजवाड़े कैबिनेट में एकमात्र महिला सदस्य हैं।

बहरहाल, छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के गठन के साथ ही साय सरकार के लिए चुनौतियों का दौर शुरू हो चुका है, जिससे उसे लगातार जूझते रहना पड़ेगा। सबसे बड़ी चुनौती है प्रदेश में विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाने की। दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा जनता के समक्ष 'मोदी की गारंटी' के रूप में जिस तरह की घोषणाएं की गई थी, उन्हें अमलीजामा पहनाए जाने पर सरकारी खजाने पर बहुत बड़ी चोट पड़ने वाली है। ऐसे में मुख्यमंत्री के समक्ष किसानों, कामगारों और महिलाओं से किए गए वायदों को पूरा करने की बड़ी चुनौती रहेगी। माना जाता है कि 2018 में भाजपा की करारी हार का एक बड़ा कारण उसका घोषणा पत्र भी था लेकिन इस बार के चुनाव में भाजपा ने इसका खास ध्यान रखते हुए जनता से खूब वायदे किए और अपने घोषणा पत्र को पार्टी ने 'छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी' का नाम दिया और जनता ने भी 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा जताया। ऐसे में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा पर अपनी दी गई सभी गारंटियों को मूर्त रूप देकर जनता को उसका सीधा लाभ पहुंचाने की बड़ी चुनौती सामने रहेगी और निश्चित रूप से इन परिस्थितियों में मुख्यमंत्री के लिए आगे की राह आसान नहीं है।

भाजपा ने चुनाव के दौरान जनता से न केवल यह वायदा किया था कि वह किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी करेगी बल्कि अपने संकल्प पत्र में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का भी वादा किया था जबकि धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपये है। ऐसे में सरकार को धान की खरीद पर किसानों को अब 800 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा, जिसके लिए सरकार को करीब 10 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व की जरूरत होगी। धान खरीदी पर सरकार की करीब 45 हजार करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। इसी प्रकार यदि महिलाओं को 12 हजार रुपये वार्षिक दिए जाने के वायदे पर अमल किया जाता है तो छत्तीसगढ़ की करीब 70 लाख विवाहित महिलाओं के लिए सरकार को करीब साढ़े नौ हजार करोड़ के फंड की व्यवस्था करनी पड़ेगी। गरीब परिवार की महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलैंडर देने का भी वादा किया गया था। ऐसे में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों पर 570 करोड़ से ज्यादा और गैस सिलैंडर सब्सिडी पर करीब एक हजार करोड़ की रकम खर्च होगी। एक लाख शासकीय पदों पर भर्ती करने का वायदा भी भाजपा ने चुनाव के दौरान किया था।

भाजपा द्वारा चुनाव के दौरान किए गए इन तमाम वादों को पूरा करने पर बहुत भारी-भरकम खर्च होगा और पहले से ही कर्ज में डूबे छत्तीसगढ़ की वित्तीय हालत को सुधार कर इन वायदों को पूरा करना भाजपा के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। कुल मिलाकर वायदों को पूरा करने में भाजपा को अनुमानित करीब 65 हजार करोड़ की रकम खर्च करनी होगी। मौजूदा समय में छत्तीसगढ़ करीब 82 हजार करोड़ रुपये के कर्ज के बोझ तले दबा है। माना जाता है कि 2018 में जब भाजपा के रमन सिंह ने कुर्सी छोड़ी थी और भूपेश बघेल ने सत्ता संभाली थी, तब राज्य पर 41695 करोड़ रुपये का कर्ज था लेकिन 2023 तक यह कर्ज बढ़कर दोगुना हो गया है। स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि बघेल सरकार को कर्ज पर करीब छह हजार करोड़ रुपये का तो वार्षिक ब्याज ही देना पड़ रहा था। हालांकि छत्तीसगढ़ में भाजपा न केवल मजबूत बहुमत के साथ सत्ता में आई है बल्कि कांग्रेस के पांच वर्षों के कार्यकाल की गलतियों और गलत कार्यों को लगातार करीब से देखते हुए उसे कई सबक भी मिले हैं। ऐसे में प्रदेश के हित में उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा के नए मुख्यमंत्री साव और उनकी कैबिनेट के सभी मंत्री इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि तमाम तरह की सीधे फायदे पहुंचाने वाली योजनाओं के बाद भी यदि मतदाताओं ने कांग्रेस को खारिज करते हुए पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा को सत्ता सौंपी है तो मौजूदा भाजपा सरकार को उस तरह की गलतियों और गलत कार्यों से बचना चाहिए।

बहरहाल, अब देखना यह है कि नए मुख्यमंत्री के रूप में विष्णुदेव साय भाजपा आलाकमान के साथ-साथ जनता की उम्मीदों पर भी कितना खरा उतरते हैं, उनके काम करने के तौर-तरीके कैसे रहते हैं, शासन-प्रशासन को वे कितना बेहतर बना सकते हैं, राज्य का कितना आर्थिक विकास कर सकते हैं और अपने नेतृत्व में जनता के बीच कितनी साख कमा सकते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

प्राणाग्निहोत्रोपनिषद् (भाग-5)

गतांक से आगे...

यज्ञ-पात्र, हवि, वेदि, अन्तर्वेदिका, द्रोणकलश, रथ, पशु (बलिपशु), अध्वर्यु, होता, ब्राह्मणाच्छंसी, प्रतिप्रस्थाता, प्रस्तोता, मैत्रावरुण, उद्गाता, धारा (हवा करने वाला), पोता, दर्भ (कुश), सुवा, आज्यस्थाली (घृतपात्र), आघार, आज्यभाग, याज, अनुयाज, इड़ा, सूक्तवाक, शंयोर्वाक, अहिंसा, पत्नी संयाज, यूप (खम्भा), रशना, इष्ट, दक्षिणा एवं यज्ञ के समापन पर किया जाने वाला अवभृथ (एक स्नान विशेष) कौन-कौन हैं ? (अर्थात् जैसे यज्ञ में उपर्युक्त सभी वस्तुएँ-पदार्थ अपेक्षित हैं, वैसे ही इस शारीर यज्ञ के लिए भी ये सभी वस्तुएँ आवश्यक हैं, किन्तु ये सब कहाँ और कौन हैं?)।

इस शारीर यज्ञ का जो कि यूप (खम्भे) एवं रसना से अशोभित (रहित) है, इस शारीर यज्ञ की आत्मा यजमान है, बुद्धि पत्नी है, वेद ही महा ऋत्विज् हैं, अहंकार ही अध्वर्यु है, चित्त होता है, प्राण ब्राह्मणाच्छंसी है, अपान प्रतिप्रस्थाता है, व्यान प्रस्तोता है, उदान उद्?गाता, समान मैत्रावरुण, शरीर वेदिका, नासिका अन्तः वेदि, मूर्धा (सिर) द्रोणकलश, पैर ही रथ है, दाहिना हाथ खुवा है, बायाँ हाथ घृतपात्र है, कान ही आधार हैं, नेत्र ही आज्य भाग हैं, ग्रीवा (गर्दन) ही धारा-पोता हैं, तन्मात्राएँ सदस्य हैं, पञ्च महाभूत प्रयाज, अन्यभूत (प्राणी) गुण और अनुयाज हैं, जिह्वा इड़ा है, दाँत-ओष्ठ सूक्तवाक् हैं, तालु शंयोर्वाक, स्मृति, दया, शान्ति ही अहिंसा और पत्नीसंयाज हैं, ? कार खम्भा है, आशा रशना है, मन रथ है, काम ही पशु है, केश ही कुशाएँ हैं, ज्ञानेन्द्रियाँ यज्ञपात्र हैं, कर्मेन्द्रियाँ हवि हैं, अहिंसा इष्टकायें, त्याग ही दक्षिणा है, मृत्यु ही अवभृथ स्नान है। ऐसा समझकर जब यज्ञ किया जाता है, तभी यह यज्ञ पूर्ण फलदायक होता है और तभी समस्त देवगण इस शरीर में समाहित होते हैं।

यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु काशी में हो अथवा फिर कोई ब्राह्मण इसे (उपनिषद् को) पढ़े, तो एक ही जन्म में चित्त शुद्धि करने वाला ज्ञान एवं मोक्ष को निश्चित रूप से प्राप्त कर लेता है, यही उपनिषद् है।

क्रमशः ..

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस

कमलेश पांडेय

भारत में उद्यमिता के विस्तार और गहराई को प्रदर्शित करने के लिए केंद्र सरकार दृढ़ संकल्पित है। इस निमित्त उसके द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के दृष्टिगत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट यानी देश की स्टार्टअप इकाइयों को नए भारत का 'आधार-स्तंभ' बताते हुए कहा है कि सरकार ने 16 जनवरी को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। यानी कि आज राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पूरे देश में मनाया जाएगा।

गौरतलब है कि स्टार्टअप के क्षेत्र में भी भारत एक वैश्विक इनोवेशन हब के रूप में उभर रहा है, जिसे विश्व की

एक तिहाई स्टार्टअप परितंत्र का देश होने का गौरव हासिल है। डीपीआईआईटी ने अभी तक 61,000 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी है, जो 55 उद्योगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। देश के प्रत्येक राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश में कम से कम एक स्टार्टअप के साथ ये 633 जिलों में फैले हुए हैं, जिन्होंने वर्ष 2016 से लेकर अब तक 6 लाख से अधिक रोजगारों का सृजन किया है। वहीं, 45 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप्स श्रेणी-2 तथा श्रेणी-3 शहरों से हैं और उनमें से 45 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व महिला उद्यमियों द्वारा किया जाता है। स्टार्टअप्स में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत के समेकन की गति में तेजी लाने तथा वैश्विक प्रभाव सृजित करने की क्षमता है।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर आयोजित होने वाले निकट भविष्य के समारोहों में स्टार्टअप्स के साथ मार्गदर्शकों की पारस्परिक बातचीत, राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार की घोषणा, दूरदर्शन या टीवी शो स्टार्टअप चैम्पियंस पर आधारित शो की लांचिंग, देशी और वैश्विक निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक तथा घरेलू फंड पर पारस्परिक विमर्श, डिजिटल कॉमर्स व डिजिटल स्ट्रेटजी के लिए ओपेन नेटवर्क की लांचिंग, विभिन्न केंद्रीय विभागों के अलावा शिक्षा मंत्रालय, नीति आयोग, पीएसए, डीबीटी, डीएसटी, एमईआईटीवाई, रक्षा मंत्रालय तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालयों आदि की भागीदारी से नवाचारों को प्रोत्साहन और देश भर के स्टार्टअप्स के लिए कॉरपोरेट कनेक्ट प्रोग्राम चलाये जा सकते हैं।

कहना न होगा कि राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के आयोजन से नवोन्मेषण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे देश भर में उद्यमिता को विस्तार व गहराई को प्रदर्शित करने का एक अनोखा मौका मिलेगा। इससे ऐसे स्टार्टअप के स्वप्नद्रष्टा भी प्रोत्साहित होंगे। उनमें एक नए उमंग और जोश का संचार होगा, जिससे देर सबेर यह राष्ट्र ही लाभान्वित होगा।

राम मंदिर का विरोध करते हैं, उनकी नीयत क्या है?

डॉ. आशीष वशिष्ठ

श्रीराम भारतीय संस्कृति की चेतना के प्राण तत्व है। संपूर्ण भारतीय संस्कृति में राम नाम की महत्ता की चर्चा पाई जाती है। भगवान श्री राम साधन नहीं साध्य हैं। श्रीराम को धर्म जाति देश और काल में सीमित नहीं किया जा सकता। श्रीराम ने समूची वसुधा को सत्य के मार्ग का अनुसरण करना सिखाया है। जीवन के प्राण तत्व राम हैं। भारतीय लोक जीवन में राम का महत्व सदियों से रहा है। श्रीराम कण-कण में व्याप्त है। श्रीराम भारत राष्ट्र की शक्ति हैं। वे राष्ट्रीय ऊर्जा के स्रोत हैं। वे राष्ट्र के शरीर भी हैं और मन भी। ईश्वरीय सत्ता श्रीराम का शरीर धारण कर भारत भूमि पर उतरी थी। वे सम्पूर्ण मानवीय चेतना और संवेदना के पुंज थे। श्रीराम ने मनुष्य को मनुष्य का आचरण बताया था। मनुष्य को उत्कर्ष और उत्सर्ग की कला सिखायी थी। राम का जीवन आदि, मध्य और अन्त की कथा नहीं है। वह सनातन हैं, निरन्तर हैं, नित्य हैं, नूतन हैं।

सार्वकालिक और सार्वभौमिक हैं। श्रीराम के साथ रहना और उनके साथ चलना किसी दिव्य जीवन प्रवाह के साथ चलने जैसा है। उस दिव्य प्रवाह के साथ जो निरन्तर है, जिसमें हर क्षण नये-नये जल कणों का सम्मिलन होता रहता है, जिसका गन्तव्य वह महासागर है, जो असीम है, सीमाबद्धता जिसे अमान्य है। नित्य नयी लहर, नित्य नयी ऊर्जा के स्रोत हैं राम। देश में एक ऐसा समूह भी है जो श्रीराम और राम मंदिर का विरोध करता है। इस समूह में राजनेता, राजनीतिक दल और तथाकथित बुद्धिजीवी शामिल है। इस समूह से अहम प्रश्न यह है कि जो लोग राम या राम मंदिर का विरोध करते हैं, उनकी नीयत क्या है? क्या वे अपनी स्थापनाओं के प्रति सचमुच ईमानदार हैं? क्या उनमें यह कहने का साहस है कि वे श्रीराम को पूर्णतः अस्वीकार करते हैं? क्या श्रीराम से जुड़ा जीवन दर्शन अराष्ट्रीय है? भारत की पहचान का मूल तत्व राम नहीं तो और क्या है? यदि इन और इसी प्रकार के अन्य प्रश्नों का उत्तर वे नहीं देना चाहते, और यदि उत्तर देते भी हैं, तो हीलाहवाला

करके देते हैं, तो यही कहना पड़ेगा कि वे सब डरे हुए लोग हैं, लोभी लोग हैं। केवल सत्ता के सौदागर हैं। लोकजीवन की मान्यताओं, राष्ट्रीय परम्पराओं और प्रेरणा पुरुषों से उन्हें कोई लेना-देना नहीं है।

इस खेमे के चरित्र का मर्म यह है कि यदि श्रीराम की भक्ति में वोट मिलताा होगा तो वे श्रीराम का एकमात्र भक्त होने की घोषणा कर देंगे और यदि श्रीराम को कोसने से सत्ता का समीकरण बनता दिखाई देता है तो श्रीराम को राष्ट्रघाती घोषित करने में उन्हें कोई संकोच नहीं होगा। आजादी के बाद से अब तक वे जिस गांधी के नाम की राजनीतिक हुण्डी भुनाते आए हैं, उसी गांधी रामराज्य और हिन्दू स्वराज्य का तिरस्कार भी इन्हीं लोगों ने किया है। वे लोहिया और जयप्रकाश के भक्त नहीं हैं। इनके लिए लोहिया, जयप्रकाश और नरेंद्र देव राजनीतिक जोड़ तोड़ का मसाला है। भारत के इतिहास और पुराण में, भारत की आध्यात्मिक विचारधारा में और इसके जन-मन में राम जिस गहराई से रचे-बसे हैं, वह स्वयं ही इस बात का प्रमाण है कि राम के बिना भारत के अस्तित्व की भी कल्पना नहीं की जा सकती। राम राष्ट्र हैं, राष्ट्र के प्राण भी हैं। राम राज्य हैं और राज्य के आदर्श भी हैं। राम भारत के लोक हैं, उसकी मंगलकामना भी हैं, राम घट-घट व्यापी ईश्वर हैं तो राम अयोध्या में सशरीर प्रकट होने वाले रामलला भी हैं। कई सहस्त्र वर्ष पूर्व, जब विश्व के अधिकांश हिस्सों में शासक सिर्फ विजेता थे, जो प्रायः बर्बर हुआ करते थे, उस समय राम ने मानवता, त्याग और न्याय की अनुकरणीय भावना का प्रदर्शन किया। उनका सम्मान इसलिए नहीं किया जाता कि वह बाहरी दुनिया के विजेता थे, वह भीतरी जीवन के विजेता हैं, क्योंकि वह विपरीत परिस्थितियों में डगमगाते नहीं हैं। रावण को मारने के बाद भी उनकी आंखों में क्रोध नहीं दिखता, वह गिरे हुए रावण के शव के पास आते हैं और उन्हें जो कार्य करना पड़ा, उसके लिए पश्चाताप करते हैं। अपने जीवन की सारी चुनौतियों के बीच, वह कभी अपना संतुलन नहीं खोते, कभी मन में कड़वाहट या प्रतिशोध नहीं रखते। वह काफी हद तक छल-कपट या राजनीति से दूर रहते हैं और अपनी शक्ति के दुरुपयोग को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। समभाव रखने वाले राम समग्रता और आत्म-त्याग का जीवन जीते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, वे अपनी प्रजा के लिए अपनी खुशी त्यागने के लिए तैयार हैं। सबसे बढ़कर, मुक्ति को महत्व देने वाली संस्कृति में वह नकारात्मकता, स्वार्थ और अधमता से ऊपर उठकर स्वतंत्रता के प्रतीक हैं।

सार यह है कि, राम नायक इसलिए नहीं हैं, क्योंकि उनका जीवन उत्तम है, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि वह एक असाधारण जीवन जीते हैं। इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुष कहा जाता है। और यदि रामराज्य को एक आदर्श के रूप में रखा जाता है, तो इसलिए क्योंकि वह एक न्यायपूर्ण राज्य का प्रतीक है, तानाशाही का नहीं। आज हम भारत को वही बनाना चाहते हैं और इसीलिए रामायण आज भी लगातार प्रासंगिक बना हुआ है। राम का चरित्र इस बात का प्रमाण है कि भारतीय समाज कभी जाति और रंग के आधार पर बंटा नहीं था। सम्पूर्ण समाज ही भाईचारे और बंधुत्व के प्रेम के ताने-बाने से बुना हुआ था। अन्यथा राम हनुमान, सुग्रीव, अंगद, नल-नील, जामवंत सरीखे वनवासियों के साथ एक या एकरस कभी नहीं होते। श्रीराम पग-पग पर अपने कृत्यों से एकता और समरसता तथा अभेदता का संदेश दे रहे हैं। शबरी के जूठे बैर का राम के द्वारा खाया जाना राम के अभेद दृष्टि और समरसता के महाभाव का सबसे अद्भुत और श्रेष्ठ उदाहरण है। वास्तव में भारत की समृद्ध परंपरा और संस्कृति में भगवान श्रीराम निश्चय ही सामाजिक समरसता के सबसे बड़े प्रतीक हैं। भगवान राम के जीवन आदर्शों से काफी कुछ सीखने का वक्त है।

राम की स्वीकार्यता सदियों से रही क्योंकि वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना राम की परंपरा है। राम मर्यादा के शिरोमणि हैं। दुनिया की सभी अच्छी वस्तुओं के मानक राम हैं। सहजता सरलता ही राम है। राम के मतों का जागरण किए बिना स्वयं व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता। आज फिर वही श्रीराम अयोध्या में भारत की राजनीति के आदर्श रामराज्य की संकल्पना को साकार देखने के लिए अपने वैभव के साथ अपनी जन्मभूमि पर नवीन आभा के साथ पुनः विराजमान हो रहे हैं तो संपूर्ण मानवजाति के लिए भारत की ओर से नियति का यह संदेश सुना और सुनाया जाना ही चाहिए कि राम सभी के हैं, सभी जन राम के ही हैं। वह मर्यादा के आदर्श हैं, समन्वय के आधार हैं, जीव की सद्गति हैं, निरंतर सृजित होते और मिटते जीवन की वह चिर ध्वनि और संजीवनी हैं। अपने स्व में सदैव विराजमान राम रूपी अमृत को पाकर ही मानवता सदा के लिए संतुष्ट और सुखी हो सकती है, इसके सिवाय कोई रास्ता नहीं है। राम इस देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आदर्श हैं, क्योंकि वह स्थिरता, संतुलन, शांति, सत्य, पवित्रता, करुणा और न्याय के प्रतीक हैं। हम उन्हें इसलिए पूजते हैं क्योंकि उनमें एक महान सभ्यता के निर्माण के लिए जरूरी गुण समाए हैं। राम से जुड़कर ही भारत अपना राष्ट्र सत्य प्राप्त कर सकता है। यह बात और है कि भारत का अपने राष्ट्र सत्य से जुड़ना कुछ ढोंगियों को भारी पड़ता है। उनका भविष्य गड़बड़ा जाता है। यही कारण है कि वे श्रीराम से ही नहीं, अपने आप से भी भयभीत हैं। इस देश को आज नहीं तो कल रामरूप में ही प्रकट होना है। श्रीराम इस सृष्टि की सनातन सत्ता हैं, वे चुनाव परिणामों और सत्ता राजनीति की जोड़ तोड़ के मोहताज नहीं हैं। जो राजनीति इस सनातन सत्ता से जुड़ेगी वही देश का प्रतिनिधि होगी, शेष सभी छल है और आत्म प्रवंचना है। श्रीराम की सुस्थापनाओं से जुड़े बिना देश को उसका अभीष्ट मिल पाना संभव नहीं है।

आज का इतिहास

1943 इंडोनेशिया के अंबोन द्वीप पर अमेरिकी वायुसेना का पहला हवाई हमला हुआ।
1943 इराक ने द्वितीय विश्व युद्ध में प्रवेश किया, जर्मनी, इटली और जापान ने युद्ध घोषित किया।
1945 द्वितीय विश्व युद्ध-एडॉल्फ हिटलर और उनके कर्मचारी फ्यूहररबंकर में चले गए, जहां उन्होने अंततः आत्महत्या कर ली।
1947 विंसेंट ऑरियल फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गये।
1964 संगीत हैलो, डॉली! ब्रॉडवे पर सेंट जेम्स थिएटर में खोला गया, और दस टोनी अवार्ड जीतने के लिए आगे बढ़ता गया , उसने एक रिकॉर्ड स्थापित किया जो 35 वर्षों तक कायम रहा था।
1969 सोवियत अंतरिक्ष यानों के बीच पहली बार अंतरिक्ष में सदस्यों को आदान प्रदान हुआ।
1969 चेकोस्लोवाकिया थियोरपियर वर्ष के सोवियत आक्रमण के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन के रूप में स्टूडेंट जान पालक ने वेन्सलाग स्क्वायर में खुद को आग लगा ली।
1986 इंटरनेट इंजीनियरिंग टास्क फोर्स, एक मानक संगठन है जो इंटरनेट मानकों को विकसित और बढ़ावा देता है, इसकी पहली बैठक हुई, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका-सरकार द्वारा वित्त पोषित शोधकर्ता शामिल हैं।
1991 अमेरिका और उसके 27 सहयोगी देशों ने कुवैत पर कब्जे के लिए हमला किया है।
1992 2 शेक्सपियरियन एक्टर्स न्यूयॉर्क शहर के कॉर्ट थियेटर में खुलता है। इसने 29 प्रदर्शन किए।
2002 संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने अलक़ायदा पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया।
2005 जॉर्ज डब्ल्यू बुश दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने।
2006 समाजवादी नेता माइकल बैशलेट चिली की प्रथम महिला राष्ट्रपति चुनी गयीं।
2008 स्पैनिश राष्ट्रगान, शब्द मार्चा रियल के लिए गीत के प्रस्ताव के पांच दिन बाद, स्पेनिश ओलंपिक समिति ने व्यापक आलोचना के कारण प्रस्ताव वापस ले लिया।
2011 लीबिया के मुअम्मर अल-गद्दाफी दुनिया के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले नेता होने से 24 महीने से कम समय में हैं। वह पहले ही 41 साल तक सत्ता में बने रहे हैं।
2011 न्यू यॉर्क जेट्स ने न्यू इंग्लैंड पैट्रियट्स को हराया। यह एनएफएल इतिहास का सबसे बड़ा अपसेट है।
2012 अमेरिकी कांग्रेस ने अंग्रेजी विकिपीडिया वेबसाइट को बंद करने के लिए एंटी-पायरेसी कानून प्रस्तावित किया है। अंग्रेजी विकिपीडिया और इसके खिलाफ विरोध किया है।

नासिक से भाजपा ने चुनाव का बिगुल बजा दिया

अमिताभ श्रीवास्तव

महाराष्ट्र के नासिक शहर में भले ही राष्ट्रीय युवा सम्मेलन के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राज्य में आगमन हुआ हो, मगर संकेतों की भाषा समझने वालों के लिए साफ है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 'इलेक्शन मोड' में आ चुकी है। अब वह समय खाली जाने नहीं देना चाहती है और हर अवसर को भुनाने की तैयारी में है। इस पूरी रणनीति में राज्य की सत्ता में उसके भागीदार सक्रिय रूप से सहभागी हैं। भले ही सीटों को लेकर कोई सहमति बनी हो या नहीं। जमीनी स्तर का पार्टी कार्यकर्ता संयुक्त लड़ाई के लिए तैयार है या नहीं अथवा गठबंधन के ही कुछ उम्मीदवारों से मुकाबले की नौबत आने पर क्या हो सकता है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी जब नासिक पहुंचे तो रोड शो हुआ। आम तौर पर उनके रोड शो में वह अकेले ही होते हैं, लेकिन इस बार उनके वाहन में राज्य की सत्ता में सहयोगी दल और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी सवार थे। राज्य भाजपा की ओर से देवेंद्र फड़नवीस के अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भी गाड़ी में देखे गए। प्रधानमंत्री ने नासिक में कालाराम मंदिर में दर्शन किए, जो एक प्राचीन राम मंदिर है। वहां सफाई भी की। उसके बाद वह मुख्य कार्यक्रम युवा सम्मेलन में पहुंचे। बाद में वह मुंबई के लिए रवाना हुए। जहां उन्होंने सबसे बड़े समुद्री पुल का उद्घाटन किया।

यदि सभी आयोजनों को मिलाकर देखा जाए तो रोड शो, मंदिर दर्शन, युवा सम्मेलन और फिर विकास की सौगात सीधे तौर पर भाजपा के एजेंडे को रेखांकित करता है, जो चुनाव तक स्थापित किया जाएगा। एक तरफ मंदिर से लेकर विकास और दूसरी तरफ महिलाओं से लेकर युवाओं तक पहुंच के लिए पार्टी अपनी रणनीति को मजबूत बनाएगी। अभी नासिक-मुंबई का दौरा पूरा भी नहीं हुआ था कि सोलापुर में प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम घोषित हो गया। वह आगामी 19 जनवरी को सोलापुर जाएंगे, जिसके साथ महाराष्ट्र के तीन अलग-अलग भागों में उनकी उपस्थिति के साथ भाजपा का संदेश जनता तक पहुंचेगा। आशा की जा सकती है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के पहले प्रधानमंत्री का विदर्भ और मराठवाड़ा में भी एक-एक दौरा हो जाएगा।

इसके बाद चुनाव की घोषणा होने के बाद विधिवत चुनाव प्रचार होगा, जिसका कार्यक्रम आवश्यकता के अनुसार बनेगा। भाजपा पिछले कुछ विधानसभा चुनावों, खास तौर पर गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि से चुनाव के पहले और चुनाव के बाद की रणनीति में अंतर रखने के लाभ-हानि समझ चुकी है। सत्ताधारी दल होने के फायदे-नुकसान का संतुलन बनाना अब उसे अच्छी तरह आ गया है। यही वजह है कि वह लोकसभा चुनाव में काफी समय से सक्रिय हो चुकी है। वह केवल सीटों के तालमेल में अपनी ऊर्जा समाप्त नहीं करना चाहती है। वह अपनी ताकत सत्ता विरोधी माहौल को कम और कमजोर करने में लगाना जान गई है। उसे सहयोगी दलों की सीमाओं का आकलन करना आता है, जिससे समय के अनुसार वह उनसे मोल-भाव कर लेती है। किंतु वह तालमेल पर खुद को आश्रित नहीं बनाती है। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस का अजित पवार गुट, शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। यह तय है कि किसी भी नेता को व्यक्तिगत आकांक्षा के आधार पर पार्टी का टिकट नहीं मिलेगा।

पार्टी का टिकट जीत की संभावनाओं पर ही तय होगा। इसलिए इस बार महत्वाकांक्षा और अधिकार को ज्यादा महत्व नहीं मिल पाएगा। ताजा संकेतों के अनुसार भाजपा 48 सीटों में से तीस पर चुनाव लड़ने की इच्छुक है। इतनी सीटों पर उसने पहले कभी चुनाव नहीं लड़ा है। इस कारण राकांपा अजित गुट और शिवसेना शिंदे गुट के लिए ज्यादा अवसर नहीं बच पाएगा, क्योंकि कुछ सीटें इन दोनों के अलावा भी कुछ छोटी पार्टियों को दी जा सकती हैं। इस गठबंधन के साथ भाजपा राज्य में कम से कम चालीस सीटें जीतने का इरादा रखती है। इसलिए उसका अग्रिम पंक्ति में चुनाव के मैदान में उतरना लाजिमी है। भाजपा ने पिछला लोकसभा चुनाव शिवसेना के साथ गठबंधन कर लड़ा, जिसमें उसने समझौते के तहत 25 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे थे, जिनमें से 23 को चुनावी सफलता मिली। वहीं शिवसेना 23 सीटें लड़कर 18 सीटें जीत पाई थी। दोनों का संयुक्त रूप से संख्या बल 41 तक पहुंच गया था। अब इसे अन्य दो सहयोगियों के साथ चुनाव लड़कर हासिल करना है। वर्ष 1995 के बाद से शिवसेना से गठबंधन करने के बाद भाजपा ने कभी अकेले लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा। इस बार पहला अवसर होगा, जब उसे विभाजित शिवसेना के साथ चुनाव लड़ना होगा। इसी प्रकार अतीत में कभी-भी उसने धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के दल के साथ अपना चुनावी भविष्य नहीं आजमाया, मगर इस बार राकांपा का अजित गुट उसके साथ है।

इस नए दौर की राजनीति और समीकरणों में भाजपा के समक्ष किसी किस्म के अंदाज लगाने की गुंजाइश नहीं है, क्योंकि मतदाता उद्धव ठाकरे की शिवसेना या शरद पवार की राकांपा के साथ सहानुभूति दिखाएगा या फिर नए समीकरणों को समझने की कोशिश करेगा। इसीलिए भाजपा को अपना चुनाव कागजी तौर पर सरकार में सहयोगियों के साथ दिखाना मजबूरी है और अंदर से अपनी लड़ाई खुद लड़ने की तैयारी है। हाल के कुछ चुनाव पूर्व सर्वेक्षण भाजपा के पूर्ण पक्ष में नजर नहीं आ रहे हैं, जिससे चिंता अपनी जगह बनी हुई है। मगर इतना तय है कि भाजपा परिणामों की चिंता किए बिना अपने प्रयास और परिश्रम में जुट चुकी है, जो राज्य के विपक्षी दलों में अभी दिखाई नहीं दे रहा है। भाजपा चुनाव से पहले अपने कुछ उम्मीदवारों के नाम घोषित कर सकती है। खेलों में 'स्टार्ट' और 'फिनिश'का समय महत्वपूर्ण होता है। राजनीति के खेल में भी अब इसका महत्व बढ़ने लगा है। आने वाले दिनों में चुनाव को लेकर दूसरे दलों की भी गंभीरता सामने आएगी। फिलहाल तो भाजपा ने दिल्ली की दौड़ आरंभ कर दी है। अब देखना यह होगा कि कौन और कैसे उससे आगे निकलता है।

भाजपा के लिए 2019 से अलग होगा 2024 का चुनाव

अनिल तिवारी

2024 के लोकसभा चुनाव का दंगल आर-पार का नहीं बल्कि पार-पार का होता जा रहा है। विपक्षी गठबंधन जहां नेतृत्व की उठापटक से जूझ रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी यह मान कर काम कर रही है कि 2024 की जीत उसके लिए एक नए युग का द्वारा खोलेगी जो अगले एक दशक के लिए पार्टी को देश के राजनीतिक दलों की कतार में सबसे आगे खड़ा कर देगी। सवाल है कि यह चुनाव 2019 के आम चुनाव से किन मायनों में अलग होगा? एक बड़ा अंतर यही है कि उस समय विपक्ष हालांकि कमजोर ही था लेकिन लोकसभा चुनाव के पहले हुए पांच विधानसभा चुनाव में विपक्ष को हिंदी हॉट लैंड के प्रमुख तीन राज्यों में जीत की संजीवनी मिली थी। तब जीत से उत्साहित कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी राफेल सौदे, जीएसटी, नोटबंदी, बेरोजगारी, महंगाई आदि मुद्दे पर कुछ अधिक मुखर थे, चौकीदार चोर है का नारा लगाते हुए सत्ता प्रतिष्ठान को घेरने की नाकामयाब कोशिश कर रहे थे। लेकिन आज पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बिल्कुल अलग स्थिति बयान कर रहे हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मिली करारी हार के बाद देश की हिंदी पट्टी में कांग्रेस बैकफुट पर है। हालांकि चुनाव में मत प्रतिशत बढ़ने की बात कह कर कांग्रेसी खुद को संतोष दे रहे हैं और अपनी पीठ भी थपथपा रहे हैं लेकिन जमीनी सच्चाई है कि हाल की हार ने कांग्रेस पार्टी को ऊर्जाहीन कर दिया है। ऐसे में गठबंधन करके चलना उसकी मजबूरी है, लेकिन गठबंधन के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती नेतृत्व की है। आखिर इसका नेता कौन हो? उसकी नीतियां क्या हो? साथ बनाए रखने के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम क्या हो? इस बार कांग्रेस का इंडिया गठबंधन कायम भी रहता है तो उसका मुकाबला संगठित और शक्तिशाली भारतीय जनता पार्टी से है जिसमें लीडरशिप को लेकर कोई दुविधा नहीं है। सबका साथ और सबका विकास के एजेंडे के साथ भाजपा की धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक नीति स्पष्ट है। भारत को दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकत बनाने के साथ-साथ वर्ष 2047 तक, जब भारत की आजादी के 100 साल पूरे होंगे, भारत को विकसित भारत बनाने का सपना है। जहां तक चुनावी रणनीति का प्रश्न है तो विपक्षी गठबंधन ने सही अर्थों में अभी तक कोई पहलकदमी नहीं की है जबकि भारतीय जनता पार्टी दौड़ की निर्णायक सीमा रेखा के पार पहुंचने को बेताब है। अबकी बार 400 के पार, तीसरी बार मोदी सरकार जैसे नारों के साथ भाजपा विपक्षी गठबंधन की तरफ से आने वाली हर चुनौती को पूरी सतर्कता और अति गंभीरता के साथ ले रही है। भाजपा की चुनाव प्रबंधन रणनीति में विपक्ष के हर हमले का चाहे वह छोटा ही क्यों ना हो मुंहतोड़ जवाब देने की हर स्तर पर कोशिश की जा रही है। भाजपा की तरफ से ग्रामीण व शहरी गरीबों, महिलाओं, किसानों और दलितों को लक्षित ढंग से जोड़ने की लगातार कोशिश चल रही है। दूसरी तरफ मल्लिकार्जुन खड़गे और तीनों गांधी (सोनिया, राहुल और प्रियंका) के संयुक्त नेतृत्व में भी खड़ी नहीं हो पा रही कांग्रेस पार्टी कमजोर आत्मविश्वास के चलते धूमिल संभावनाएं और अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट के कारण आप, तृणमूल कांग्रेस, जदयू, राकांपा, द्रमुक, शिवसेना और अन्य 22 दलों के साथ मिलकर बीजेपी को हराने का रास्ता तलाश रही है। विडंबना तो यह है कि आजाद भारत में पहली बार 18वीं लोकसभा के लिए होने वाले चुनाव में देश की ग्रैंड ओल्ड कांग्रेस पार्टी 300 से भी कम सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए अभिशप्त हो गई है। पिछले दिनों मुकुल वासनिक के आवास पर हुई बैठक में पार्टी की उच्च स्तरीय टीम के सदस्यों ने पार्टी के मौजूदा हालात पर निराशा व्यक्त की और कहा कि कांग्रेस आज इस स्थिति में भी नहीं है कि वह गठबंधन के सहयोगियों से 300 सीटें मांग सके।

मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने से बदल गया मुंबई का सियासी खेल

हरेन्द्र चौधरी

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने से ठीक पहले मिलिंद देवड़ा के इस्तीफे से कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा है। वहीं, मुंबई का सियासी समीकरण भी बदल गया है। जानकारों का कहना है कि मुंबई में मिलिंद देवड़ा के जनाधार वाले इलाके में कांग्रेस कमजोर होगी, तो उद्धव ठाकरे की शिवसेना को भी कोई लाभ नहीं मिल पाएगा। जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना मुंबई में भाजपा के सहारे अपना जनाधार बढ़ाने में कामयाब हो जाएगी। मिलिंद देवड़ा के शिंदे की शिवसेना में शामिल होने से यह तय हो गया है कि देश की सबसे अमीर संसदीय सीट दक्षिण मुंबई में अब शिवसेना बनाम शिवसेना की लड़ाई होगी। जहां से उद्धव की शिवसेना के अरविंद सावंत भाजपा की मदद से लगातार दो बार से सांसद हैं। इसका असर मुंबई की छह लोकसभा सीटों पर पड़ेगा। मिलिंद देवड़ा साल 2004 और 2009 में दो बार लगातार दक्षिण मुंबई सीट से जीते, लेकिन साल 2014 मे मोदी लहर के बाद वह लगातार दो बार चुनाव हार गए। सूत्र बताते हैं कि दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट को कांग्रेस की उम्मीदवारी को लेकर मिलिंद देवड़ा ने काफी कोशिशें कीं। उन्होंने कुछ दिन पहले दिल्ली जाकर आलाकमान से चर्चा करने की कोशिश की थी। लेकिन उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया। इससे पार्टी से उनकी नाराजगी बढ़ गई। माना जा रहा है कि बंटवारे में दक्षिण मुंबई सीट उद्धव की शिवसेना के खाते में जाते देख मिलिंद देवड़ा ने नई राजनीतिक पारी खेलने का फैसला किया। उधर, शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद उद्धव गुट की ताकत आधी हो गई है। जाहिर है कि इससे आगामी लोकसभा चुनाव में उद्धव की शिवसेना को वह लाभ नहीं मिल पाएगा, जो 2014 और 2019 में भाजपा के साथ रहते हुए मिला था। इस बीच, दो बार चुनाव हारने के बाद भी मिलिंद देवड़ा के जनाधार में कोई कमी नहीं आई है। दक्षिण मुंबई जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से लेकर अधिकांश कार्यकर्ता और पूर्व पार्षद मिलिंद के साथ हैं, जो शनिवार को उनके साथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए हैं। अगर, दक्षिण मुंबई से उम्मीदवारी मिली तो मिलिंद को इसका लाभ मिल सकता है। मुंबई कांग्रेस में देवड़ा परिवार का प्रभुत्व रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली देवड़ा करीब 25 साल तक मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। मुरली देवड़ा के पास कांग्रेस पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी थी। दक्षिण मुंबई से मिलिंद देवड़ा दो बार सांसद रहे, तो उनके पिता मुरली देवड़ा ने चार बार इस सीट का प्रतिनिधित्व किया है। पिता के बाद बेटे मिलिंद देवड़ा ने पार्टी के लिए अहम भूमिका निभाई। मुरली देवड़ा के निधन पर उनके अंतिम संस्कार में न केवल सोनिया गांधी बल्कि राहुल और प्रियंका भी मुंबई पहुंची थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देवड़ा परिवार का गांधी परिवार के साथ न केवल राजनीतिक बल्कि पारिवारिक रिश्ते भी थे। सियासी जानकार मानते हैं कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दिवंगत शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। बाल ठाकरे महाराष्ट्र की राजनीति में भले ही शिवसेना मराठियों को तरजीह देते थे, लेकिन दिल्ली में पार्टी की आवाज बुलंद करने वाले को मौका देते थे। बाल ठाकरे ने जहां प्रितीश नंदी, राजकुमार धूत और संजय निरूपम को राज्यसभा भेजा था, वहीं, उद्धव ठाकरे ने गैरमराठी प्रियंका चतुर्वेदी को राज्यसभा में भेजा। कहा जा रहा है कि इसी तरह एकनाथ शिंदे ने भी मिलिंद देवड़ा को पार्टी में शामिल किया है। जो हिंदी, अंग्रेजी के साथ मराठी भाषा पर भी अच्छी पकड़ रखते हैं। साथ ही, मिलिंद के दिल्ली कनेक्शन का भी शिंदे की शिवसेना को लाभ मिल सकेगा।

इस दांव से लालू और अखिलेश का सियासी गणित बिगाड़ेगी भाजपा

आशीष तिवारी

लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा ने अपने तरकश से वह तीर चल ही दिया, जिससे यूपी और बिहार की सियासत गरमा गई है। दरअसल भाजपा उत्तर प्रदेश और बिहार में अखिलेश और लालू यादव की सियासी गणित बिगड़ने के लिए मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव को बिहार के दो दिवसीय दौरे पर भेज रही है। बिहार से यादवों को साधने की भाजपा की यह रणनीति न सिर्फ बिहार बल्कि उत्तर प्रदेश तक भी पहुंचेगी। फिलहाल यादवों के वोट से सरकार की दशा और दिशा तय होने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के पहुंचने से सियासी तपिश बढ़ गई है। भाजपा के रणनीतिकारों का मानना है कि जल्द ही मोहन यादव उत्तर प्रदेश में भी पहुंचेंगे। यूपी भाजपा की ओर से मोहन यादव को पश्चिम उत्तर प्रदेश में आने के लिए प्रस्ताव तैयार कर आला कमान से साझा किया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश और बिहार में मोहन यादव के आने को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं का मानना है कि उनके आने से उनकी पार्टी से जुड़े लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश और बिहार में सियासी नजरिए से सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के तौर पर यादवों को देखा जाता है। बिहार में जहां 14 फीसदी के करीब यादव हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में 10 फीसदी के करीब यादवों की आबादी है। इसी जातिगत और सियासी आंकड़ों को नजर में रखते हुए भाजपा ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को बिहार से सियासी समीकरण साधने की कमान सौंपी है। मोहन यादव 18 और 19 जनवरी को बिहार के दौरे पर रहेंगे। जानकारी के मुताबिक इस दौरान वह कृष्ण चेतना मंच की ओर से एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कृष्ण चेतना मंच के सहसचिव दीपक यादव कहते हैं कि इस कार्यक्रम में यादव समुदाय से जुड़े सभी लोग शिरकत करने पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदुवंशियों को जोड़ने के लिहाज से यह एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम किया जा रहा है। हालांकि सियासी गलियारों में चर्चा इसी बात की है कि ऐसे ही कार्यक्रमों के माध्यम से शुरुआत बिहार के यादवों को जोड़ने की की गई है।

सियासी गलियारों में कहा यही जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और बिहार में यादवों अपने पाले में करने की भाजपा बड़ी प्लानिंग कर चुकी है। इसके लिए उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को मैदान में उतारा है। दरअसल उत्तर प्रदेश और बिहार में यादव एक बड़े वोट बैंक के तौर पर सियासी दलों से जुड़े हैं। जिसमें बिहार में राजद के साथ और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ यादवों की मजबूत भागीदारी मानी जाती है। हालांकि भाजपा ने यादवों को अपने साथ जोड़ने के लिए पहले भी कई दांव चले हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार में भाजपा को उतनी सफलता नहीं मिली है। ऐसे में ट्रंप कार्ड के तौर पर मोहन यादव को बिहार से यदुवंशियों के साथ अपना नाता जोड़ने और कार्यक्रमों में शिरकत करने का मुफीद मौका मान रही है।

जिस तरीके से अगले हफ्ते मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव की बिहार पहुंचने की प्लानिंग है, ठीक उसी तरह कुछ दिनों बाद उत्तर प्रदेश में भी उनकी एंट्री होगी। जनता पार्टी से जुड़े राजनीतिकारों का मानना है कि यादव समाज और अन्य सभी पिछड़ी दलों के लिए उनकी पार्टी लगातार काम करती रही है। पिछड़ों और यादवों की नुमाइंदगी करने के लिए उनके जनप्रतिनिधि भाजपा में हैं। यादवों के नेता के तौर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भाजपा में बड़े पद पर हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में योगी कैबिनेट में भी भाजपा ने यादव को मंत्री बनाया है। इसके अलावा लोकसभा, राज्यसभा और विधान परिषद जिला पंचायत में भी भाजपा की ओर से यादवों को अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। भाजपा से जुड़े रणनीतिकारों का मानना है कि बिहार के बाद उत्तर प्रदेश में भी मोहन यादव की सभाएं आयोजित होंगी और अन्य कार्यक्रमों में भी वह शिरकत करेंगे।

दरअसल बीते कुछ समय से भाजपा लगातार यादव समुदाय को अपने पक्ष में करने के लिए प्रयास कर रही है। सियासी जानकार मानते हैं कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और हरियाणा में बहुत हद तक यादवों को अपने पक्ष में भाजपा ने किया है। हरियाणा में भाजपा ने यादव समुदाय को साधने के लिए राव इंद्रजीत को अपना चेहरा बनाया है। वहीं, बिहार के नित्यानंद राय को केंद्र में महत्वपूर्ण मंत्रालय देकर यादवों को साधा है। मध्यप्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने उत्तर प्रदेश और बिहार के यादवों को साधने की तैयारी की है। यादव महासभा के टीडी यादव कहते हैं कि भाजपा के संसदीय बोर्ड में दो प्रमुख यादव नेता शामिल हैं। उनका कहना है कि यादव महासभा के अध्यक्ष रहे हरिमोहन सिंह यादव की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री मोदी का शामिल होना यह बताता है कि किस तरह से भाजपा यादवों को अपने साथ जोड़ने की कवायद कर रही है। उत्तर प्रदेश भाजपा ने बिहार के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मोहन यादव के कार्यक्रमों की योजना बनाई है। यूपी भाजपा से जुड़े एक वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि इसके लिए उन्होंने आला कमान से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यादव के कार्यक्रमों की शुरुआत करने की बात कही है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मोहन यादव के आने को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं का मानना है कि उनके आने से समाजवादी पार्टी के वोट बैंक पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी कहते हैं कि उनके दल के साथ जो लोग जुड़े हैं, वह हमेशा उनके साथ आगे भी रहेंगे। किसी नेता के आने और न आने से उनकी पार्टी और उनकी पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं और प्रदेश के लोगों पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

जनमानस को समझने में कांग्रेस ने फिर क्यों की चूक?

संजय तिवारी

इसी हफ्ते जिस समय दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस के नेता जयराम रमेश अयोध्या के राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में न जाने का ऐलान कर रहे थे, ठीक उसी समय संघ और भाजपा के कार्यकर्ता पीला अक्षत और राम मंदिर का पर्चा लेकर यूपी में घर-घर पहुंच रहे थे। वो लोगों से आग्रह कर रहे थे कि 22 जनवरी को सब अपने घर पर कम से कम पांच दिए जलाएं और उत्सव मनाएं। भाजपा और संघ की योजना है कि 22 जनवरी को गांव गांव में जो मंदिर हैं वहां कोई न कोई छोटा उत्सव किया जाए। इसके लिए स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि सामान्य रामभक्त हिन्दू भी योजनाएं बना रहे हैं, बैठकें कर रहे हैं। एक सामान्य हिन्दू के मन में अयोध्या के राम को लेकर वैसा कोई संशय नहीं है जैसा कांग्रेस, कम्युनिस्ट या समाजवादी पार्टी के नेताओं के मन में है। इसलिए उस दिन हर हिन्दू किसी न किसी रूप में इस दिन को उत्सव के रूप में मनाना चाहता है।

दूसरी ओर भाजपा/संघ की योजना जमीन पर ऐसी दिख रही है मानों वो नब्बे का माहौल फिर से पैदा करना चाहते हैं जब लालकृष्ण आडवाणी ने रथयात्रा निकाली थी। उस समय भी कांग्रेस जनता का मन भांपने में पूरी तरह असफल रही थी, आज भी वह पूरी तरह से असफल साबित हुई है। उस समय तक यूपी के ब्राह्मण, क्षत्रिय और मुस्लिम मोटे तौर पर उसके साथ थे। लेकिन महीनेभर की राम रथयात्रा के बाद एकतरफा सवर्ण जातियां भाजपा की ओर चली गयीं।1985 में उत्तर प्रदेश में बहुमत से सरकार बनानेवाली कांग्रेस 1989 में 94 सीट पर आयी। 1991 में 46 और 1993 में 28 सीट पर आ गयी। यानी 1989 से कांग्रेस यूपी में जो लुढ़कना शुरु हुई तो 2022 के चुनाव में उसके सिर्फ 2 विधायक ही चुने गये। आज हालात ऐसे हैं कि कांग्रेस यूपी की हर विधानसभा सीट पर ऐसे उम्मीदवार उतारने की हैसियत में नहीं है जो जीत न सकें तो कम से कम दूसरे नंबर पर ही आ जाएं। उम्मीदवार मिल भी जाएं तो रायबरेली, अमेठी जैसी कुछ जगहों को छोड़ दें तो हर बूथ पर एजेंट तक का अकाल पड़ गया है।

यूपी में कांग्रेस का यह पतन सीधे तौर पर राम मंदिर के लिए होनेवाली राजनीति से ही जुड़ा है। जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अयोध्या के राम मंदिर का मुद्दा उठाया तो 1980 के दशक में कांग्रेस ने विवादित बाबरी मस्जिद के पक्ष में खड़ा होना इसलिए जरूरी समझा क्योंकि उसे लगता था कि यूपी में मुस्लिम उससे अलग नहीं होने चाहिए। उसका सारा प्रयास तब धरा का धरा रह गया जब मुलायम सिंह यादव ने अयोध्या के रामभक्तों पर गोली चलवा दी और रातों रात मुस्लिम वोटर उनकी ओर घूम गया। अब कांग्रेस दोनों ओर से मात खा चुकी थी। न तो सवर्ण हिन्दू उसके साथ बचे और न ही मुस्लिम। कांशीराम ने उसी दौर में दलितों को कांग्रेस से दूर करना शुरु कर ही दिया था।

इस चौतरफा पराजय के बावजूद यूपी में कांग्रेस ने अपना सेकुलर अभियान जारी रखा। बीजेपी की सरकारों को जगह जगह बर्खास्त करके एक बार फिर मुस्लिमों का दिल जीतने की कोशिश की गयी लेकिन यूपी के मुस्लिम कांग्रेस की ओर नहीं लौटे। जो लोग उस समय कांग्रेस की रणनीति बना रहे थे वो यह नहीं देख पा रहे थे कि अकेले मुस्लिम वोटर को बचाने के चक्कर में

उसका सबसे मजबूत आधार ब्राह्मण और क्षत्रिय उनसे दूर होता जा रहा है क्योंकि वह राम के खिलाफ जानेवालों के साथ यूपी में खड़ा नहीं होना चाहता था। उस समय भी कांग्रेस के सेकुलर नेताओं और कम्युनिस्ट समर्थकों द्वारा अपने द्वारा की जानेवाली राजनीति को ऐसे ही समझाने का प्रयास किया गया, जैसे आज किया जा रहा है। भाजपा को कम्युनल पार्टी घोषित कर दिया गया। सिर्फ घोषित ही नहीं किया गया बल्कि कम्युनिस्ट बुद्धिजीवियों द्वारा इस नैरेटिव को बहुत गहराई से लोगों में स्थापित करने का प्रयास भी किया गया।

कांग्रेस के नेता न उस समय यह बात समझ पाये और न आज समझ पा रहे हैं कि गलत उनके समर्थक और मतदाता नहीं हैं जो उनको वोट नहीं कर रहे हैं। गलत उनकी नीति और नीयत है जिसने कांग्रेस के शासन में सबसे प्रबल लाभार्थी रहे ब्राह्मण और क्षत्रिय समर्थकों को भी उससे दूर कर दिया। कांग्रेस को यूपी में यह तो दिख रहा था कि अगर राम मंदिर के समर्थन में आयेगी तो मुस्लिम नाराज हो जाएंगे लेकिन यह नहीं दिख रहा था कि बदलते वातावरण में अगर उसने राम मंदिर का समर्थन नहीं किया तो उसके सवर्ण वोटर ही सबसे पहले उससे दूर हो जाएंगे। उसके बाद से देश में कहीं भी कांग्रेस आयी गयी हो लेकिन यूपी से जो गयी तो फिर जाती ही चली गयी। उन दिनों भी कम्युनिस्ट पार्टियों का कांग्रेस नेतृत्व पर गहरा प्रभाव था और जनता दल से निकले सोशलिस्ट भी वैचारिक रूप से उस पर हावी रहते थे। निश्चित रूप से उस समय खुद को हिन्दू कहना भी सांप्रदायिक घोषित करने जैसा था। ऐसे में कांग्रेस भला क्योंकर हिन्दुत्व की राजनीति करती भले ही शाहबानो प्रकरण के बाद अयोध्या में राम मंदिर से उसे बैलेंस करने का राजनीतिक दबाव ही रहा हो। लेकिन आज लगभग ढाई तीन दशक बाद जब देश का पूरा पोलिटिकल नैरेटिव बदल गया है। हिन्दुत्व अब राजनीति की मुख्यधारा बन गया है, उसके बावजूद भी कांग्रेस नेतृत्व अपना हिन्दू विरोधी नैरेटिव बदलने का नाम नहीं ले रहा है। जब जब अयोध्या में राम मंदिर का सवाल उठा तब तब उसने विरोध के लिए किसी न किसी बहाने का सहारा लिया। कभी सांप्रदायिकता का तो कभी हिन्दुत्व का। अब कांग्रेस ने एक नया बहाना खोज लिया है कि %धर्म व्यक्ति की निजी आस्था है% और वह हर किसी की आस्था का सम्मान करती है। लेकिन ऐसा वो तभी बोलते हैं जब बात हिन्दुओं से जुड़ी हो। ईसाई या मुस्लिम समुदाय की बात आते ही वो निजी आस्था को अल्पसंख्यक अधिकार में बदलकर बहुसंख्यक हिन्दुओं के खिलाफ खड़े हो जाते हैं।

फिर सवाल यह भी है कि अगर धर्म निजी आस्था है तो फिर धार्मिक बहुसंख्यकवाद और अल्पसंख्यकवाद क्या है? कांग्रेस के नेता और उसके समर्थक कम्युनिस्ट विचारक किस आधार पर धार्मिक अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का बंटवारा करते हैं? फिर तो हर प्रकार का धार्मिक मामला कांग्रेस के लिए निजी आस्था का ही प्रश्न होना चाहिए। उसे किसी समुदाय विशेष के हक या अधिकार के रूप में कैसे देखा जा सकता है?

लेकिन यही कांग्रेस का वह दोहरा चरित्र है जो यूपी में बेनकाब हो चुका है। कांग्रेस के भीतर यह दोहरा चरित्र विकसित किया है कम्युनिस्ट विचारकों और बुद्धिजीवियों ने। सोनिया गांधी हों, राहुल हों या फिर प्रियंका वाड्रा। ये सभी इसी दोहरे चरित्र के साथ अपने आपको सहज पाते हैं। वो कहते तो हैं कि वो राम मंदिर के विरोध में नहीं हैं लेकिन समर्थन में एक दीपक जलाना भी जरूरी नहीं समझते। उनके कम्युनिस्ट समर्थक उनको जो चालबाजियां सिखाते हैं कांग्रेस के शीर्ष नेता उस पर ही गुलाटियां खाते हैं। लेकिन वो भूल जाते हैं राम से दूरी ने उन्हें अभी यूपी से ही दूर किया है, कहीं ऐसा न हो कि पूरे उत्तर भारत से उनको मटियामेट कर दे। कांग्रेस के भीतर हिन्दू धर्म की बात करना अब आरएसएस के एजेंट होने जैसा हो गया है। यह उसका हिन्दू विरोधी कम्युनल नैरेटिव उसे लगातार चोटिल कर रहा है लेकिन शीर्ष नेतृत्व इससे वापस लौटने को तैयार नहीं है। राहुल गांधी कम्युनिस्टों के प्रवक्ता की तरह कांग्रेस को वैचारिक लड़ाई की जगह बना रहे हैं जो कांग्रेस के अपने बुनियादी चरित्र के ही खिलाफ है। कांग्रेस विचारधाराओं का संगम थी, किसी एक विचारधारा की समर्थक या विरोधी नहीं। लेकिन जब से कांग्रेस पर विचारधारा की राजनीति करने का राजनीतिक रंग चढा है तब से वह लगातार चूक रही है। एक बार अस्सी के दशक में वह चूकी तो यूपी से चुक गयी, इस बार की चूक में वह कहीं समूचे उत्तर भारत से ही न चुक जाए। कम से कम मध्य प्रदेश में दिग्विजय सिंह के भाई और कांग्रेस के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह तो यही संकेत कर रहे हैं।

सर्दियों में खजूर खाने से मिलते हैं ये गजब के फायदे

सर्दी-खांसी से लेकर कब्ज की समस्या होती है दूर

सर्दियों में लोग अक्सर अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना पसंद करते हैं, जिनकी तासीर खाने में गर्म होती है। ऐसी ही सेहतमंद चीजों में खजूर का भी नाम शामिल है। खजूर को उसके हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। इसे डाइट में शामिल करने से व्यक्ति कई रोगों से दूर रहने के साथ ऊर्जावान भी महसूस करता है। खजूर में आयरन, कैल्शियम, मिनरल, फॉसफोरस,अमिनो एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो सर्दी-जुकाम से लेकर कब्ज और एनीमिया जैसी समस्याओं में भी राहत देने का काम करते हैं। आइए जानते हैं सर्दियों में खजूर खाने से सेहत को मिलते हैं क्या फायदे।

सर्दियों में खजूर खाने के फायदे-

सर्दी-जुकाम में राहत-

खजूर की तासीर गर्म होती है। सर्दियों में खजूर का नियमित सेवन व्यक्ति को सर्दी-जुकाम की समस्या से दूर रखता है। ठंड में सर्दी-जुकाम होना आम बात है। ऐसे में रोजाना दूध में 2-3 खजूर मिलाकर पीने से सर्दी-जुकाम में राहत मिलती है।

एनीमिया की समस्या करें दूर-

खजूर का सेवन करने से हीमोग्लोबिन का लेवल आसानी से बढ़ाया जा सकता है। जिन लोगों के शरीर में आयरन की कमी होती है, उन्हें खजूर का नियमित सेवन करने की सलाह दी जाती है।

कब्ज-

खजूर का सेवन करने से पाचन तंत्र दुरुस्त बना रहता है। जिससे व्यक्ति को कब्ज की शिकायत नहीं होती है। खजूर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है,जो कब्ज की समस्या से निजात दिलाने के साथ पेट की ऐंठन,मरोड़,लूज मोशन को ठीक करने में मदद करता है।

हड्डियों की सेहत-

सर्दियों में घुटने का दर्द काफी बढ़ जाता है। ऐसे में रोजाना खजूर का सेवन करने से इस समस्या में कुछ हद तक फायदा मिल सकता है। खजूर में काफी मात्रा में सेलेनियम,मैंगनीज,कॉपर और मैग्नीशियम मौजूद होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों को रोकने के लिए जरूरी माने जाते हैं।

प्रोटीन से भरपूर-

खजूर में प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है,जो हमारी मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने में मदद कर सकता है। कई बार जिम लवर भी नेचुरल प्रोटीन और मिठास हासिल करने के लिए खजूर को अपने डाइट में शामिल करते हैं।

थाली में करें थोड़े से बदलाव, दिल-दिमाग-सेहत सब रहेगा दुरुस्त

हमारे पूरे शरीर का संचालन दिमाग करता है। और उसमें चिंता, तनाव व अवसाद सरीखी समस्याएं रहने लगें तो भला क्या होगा? यकीनन, नतीजे अच्छे नहीं होंगे। तो बेहतर होगा कि इस ओर गौर किया जाए। अपने अन्न यानी खानपान में कुछ पोषक तत्वों को जोड़कर काफी हद तक मानसिक सेहत को दुरुस्त रखा जा सकता है। आहार सलाहकार डॉ. भारती दीक्षित कहती हैं कि खाना केवल शारीरिक सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी जरूरी है। अच्छे मानसिक सेहत के लिए अपनी थाली में मैग्नीशियम, ओमेगा -थ्री, ओमेगा-सिक्स फैटी एसिड्स, फाइबर और कैल्शियम आदि युक्त खाद्य पदार्थों को जगह दें।

रंगों से भरा हो खाना

हम खाना सिर्फ मुंह से नहीं खाते, बल्कि आंखों और मन से भी खाते हैं। अगर खाना आंखों को भाएगा तो मन अपने आप ही खुश हो जाएगा। नतीजा, आपके मानसिक तनाव में काफी हद तक कमी आएगी। इस बाबत डॉ. भारती कहती हैं कि अपने खाने में सतरंगी आहार को शामिल कीजिए। यानी ढेर सारे रंग वाले फलों, सब्जियों, बीजों और अनाजों का सेवन नियमित रूप से करें। ये न सिर्फ खाने के स्वाद में, बल्कि पोषण में भी इजाफा करेंगे। जब शरीर सेहतमंद रहेगा, तो मन भी खुश रहेगा।

विटामिन-बी है जरूरी

विटामिन -बी को अपनी खुराक में भरपूर मात्रा में लेने से चिंता और तनाव काफी हद तक तक नियंत्रित रहेंगे। विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग अवसाद, पैनिक डिसऑर्डर आदि की समस्या से ग्रसित हैं उन्हें प्रतिदिन 18 ग्राम विटामिन-बी लेने से राहत मिलती है। विटामिन-बी के स्रोत जैसे मछली, अंडे और सब्जियां आदि तनाव व चिंता को कम करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

इन्हें भी दीजिए जगह

मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स हमारे तंत्रिका तंत्र को पोषण देते हैं, जिससे बेचैनी, तनाव, डर, गुस्सा सरीखे तमाम भावों में कमी आती है। साथ ही मैग्नीशियम दिल और धमनियों की सेहत की भी हिफाजत करता है। मैग्नीशियम और कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन रात में सोने से पहले करने से अच्छी नींद भी आती है। मैग्नीशियम के लिए आप हरी सब्जियां, बादाम, काजू, सोयाबीन, तिल, केला और टोफू आदि को खुराक में शामिल कर सकती हैं। अगर आप मांसाहारी हैं तो आप मछली का सेवन करें।

फैटी एसिड है जरूरी

आमेगा-थ्री और ओमेगा-सिक्स सिक्स फैटी एसिड हमारी याददाश्त को भी दुरुस्त रखते हैं। इनको खुराक में शामिल करना इसलिए भी जरूरी हो जाता है क्योंकि हमारा शरीर इन पोषक तत्वों का निर्माण नहीं कर पाता। अगर आप मांसाहारी हैं, तो सी-फूड इसका सबसे अच्छा स्रोत है। शाकाहारी हैं तो इसके लिए साबुत अनाज, लहसुन, अलसी, सोयाबीन, टोफू आदि को अपनी खुराक में शामिल कीजिए।

बेरी है काम की

बेरी स्वाद में अच्छी होने के साथ ही आपको दिमाग को तनाव से दूर रखने में भी मददगार होती हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो अवसाद से उबरने में मदद करते हैं। साथ यह फाइटोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती है जो तनाव के लिए शरीर की प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट युक्त भोजन जैसे कि जामुन, खट्टे फल और विटामिन-सी को डाइट में शामिल करना मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाता है। जामुन और अन्य विटामिन-सी से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे नीबू, अमरूद, आंवला, शिमला मिर्च और संतरा आदि रक्त से तनाव हार्मोन कोर्टिसोल को साफ करने में मदद करते हैं। मेवे, बीन्स, अखरोट, हरी सब्जियां आदि को भी अपनी खुराक में जगह दीजिए।

बीज होंगे मददगार

बीज चाहे कद्दू के हों या फिर सूरजमुखी के...ये आपके तनाव के स्तर को कम करने में कारगर रहेंगे। इनमें मैग्नीशियम और विटामिन-ई होते हैं, जो अवसाद, थकान और चिड़चिड़ापन को दूर करने में मदद करते हैं। अधिकांश बीजों में ओमेगा -3 फैटी एसिड मौजूद होता है। इनका एंटी-इंफ्लामेट्री गुण तनाव हार्मोन के नकारात्मक प्रभावों का मुकाबला करने में मदद करता है। अपने आहार में अलसी के बीज, मछली और अखरोट जैसे खाद्य पदार्थों को शामिल भी खामिल करें।

फायदेवाली है डार्क चॉकलेट

यह सिर्फ स्वाद के लिए ही नहीं बल्कि आपके तनाव के लिए भी अच्छी होती है। शोध में पाया गया है कि डार्क चॉकलेट का एक छोटा टुकड़ा खाने से मन शांत होता है। डार्क चॉकलेट में मौजूद फ्लैवनॉइड तनाव को कम करने में मदद करता है।

रात में कैमोमाइल चाय

सर्दी में चाय की चुस्कियां भला किसे नहीं भातीं। ऐसे में कैमोमाइल चाय को आजमाने का मौका बहुत अच्छा है। यह आपके तनाव के स्तर को कम करने में प्रभावी साबित होगा। इसकी एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी- इंफ्लामेट्री खूबियों के चलते यह तनाव को शांत करने में मददगार होती है। रात के खाने के बाद कैमोमाइल चाय का एक प्याला आपकी मानसिक सेहत को बेहतर रखेगा।

गुणकारी है हल्दी वाला दूध

हल्दी और दूध आपकी मानसिक सेहत के लिए रामबाण साबित हो सकता है। दूध में मौजूद विटामिन-डी और प्रोटीन तनाव को शांत करता है। यह रक्तचाप और कोर्टिसोल के स्तर को कम करता है। साथ में हल्दी। जिसमें करक्यूमिन होती है, जिसके एंटीइंफ्लामेट्री गुण आपको ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाएंगे। यानी आपको दोहरा फायदा मिलेगा। अगर आप एंग्जाइटी से परेशान हैं तो नियमित रूप से दही का सेवन करें। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स यानी अच्छे बैक्टीरिया पाचन तंत्र को ठीक रखने के साथ आपकी मानसिक सेहत को भी दुरुस्त रखने में मददगार होंगे।

क्या होता है सर्वाइकल कैंसर? महिलाओं से जुड़ी इस बड़ी समस्या के ये हैं कारण और लक्षण

दुनियाभर में हर साल सर्वाइकल कैंसर से कई महिलाओं की मौत होती है। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं को होने वाले दूसरा सबसे आम कैंसर माना जाता है। ऐसे में इस कैंसर के प्रति महिलाओं में जागरूकता फैलाने के लिए हर साल जनवरी में सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ मनाया जाता है। आइए इस खास मौके पर सनर इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स में मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के हेड ऑफ डिपार्टमेंट एंड सीनियर कंसलटेंट डॉ.सनी गर्ग से जानते हैं सर्वाइकल कैंसर और उसके लक्षण और उपचार के बारे में।

क्या होता है सर्विकल कैंसर

सर्विकल कैंसर एक प्रकार का कैंसर है जो सर्विक्स नामक अंग के सेल्स में होता है। सर्विक्स, यूटेरस (गर्भाशय) के निचले हिस्से में होता है और एक पतली नली के रूप में वेजाइना से जुड़ा होता है। इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) इन्फेक्शन है, लेकिन दूसरे कारण भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

क्यों होता है सर्विकल कैंसर?

सर्विकल कैंसर का मुख्य कारण HPV इन्फेक्शन है, जिसका इन्फेक्शन से सर्विक्स के सेल्स में बदलाव होता है और कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। स्मोकिंग, कमजोर इम्यूनिटी, बर्थ कंट्रोल पिल्स का लॉन्ग टर्म उपयोग, एक से अधिक साथी, और परिवार का इतिहास भी इस कैंसर के होने में एक भूमिका निभा सकते हैं।

किस आयु में होता है सर्विकल कैंसर?

सर्विकल कैंसर आमतौर पर 30 से 45 वर्ष की आयु के बीच होने की संभावना होती है। HPV इन्फेक्शन होने पर, यह कैंसर कुछ साल तक विकसित हो सकता है।

सर्विकल कैंसर के लक्षण-

सर्विकल कैंसर के शुरुआती स्टेज में कोई लक्षण नहीं दिखते हैं। जब कैंसर बढ़ने लगता है, तब कुछ सामान्य लक्षण आते हैं जैसेः

-वेजाइना से ब्लीडिंग, खासकर संबंध के बाद

-संबंध के दौरान दर्द

-असामान्य वेजाइना डिस्चार्ज

-पेल्विक दर्द या पेशाब के दौरान दर्द

ये लक्षण किसी भी आयु समूह की महिला में हो सकते हैं, लेकिन सर्विकल कैंसर अक्सर 30 से 45 वर्ष की आयु के बीच होता है।

क्या देखने पर डॉक्टर के पास जाएं?

अगर कोई महिला इन लक्षणों को महसूस करती है, तो उसे तुरंत अपने डॉक्टर से मिलना चाहिए। पैप स्मीयर टेस्ट, HPV टेस्ट, और शारीरिक जाँच के द्वारा सर्विकल कैंसर का पता लगाया जा सकता है।

यह ठीक हो सकता है?

सर्विकल कैंसर का शुरुआती स्टेज में ही पता लग जाए तो उपचार के सफल होने के ज्यादा चांस होते हैं। उपचार विकल्पों में सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, और केमोथेरेपी शामिल हो सकती हैं। लेकिन, इसका इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि कैंसर का स्थान क्या है और कितना बढ़ चुका है।

नियमित चेकअप और पैप स्मीयर टेस्ट, खासकर सेक्सुअली एक्टिव महिलाओं के लिए, सर्विकल कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। HPV वैक्सीन भी इस कैंसर से बचाव के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। इसलिए, अपने डॉक्टर की सलाह से नियमित चेकअप्स और स्क्रीनिंग्स आवश्यक हैं।

[भविष्यफल]

मेष
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको अपने दफ्तर में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

वृष
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपको आपकी उम्मीदों के अनुसार सफलता की प्राप्ति हो सकती है.

मिथुन
कल का दिन अच्छा रहेगा. कल आपके ऑफिस में आपके बड़े अधिकारी आपके कार्य में कुछ फेरबदल कर सकते हैं.

कर्क
कार्य पूरा करने के लिए दिया गया है तो आप उसके लिए लोगों को व्यापार करने वाले जातकों की बात करें तो कारोबारी कल जितने अधिक उत्साहित रहेंगे.

सिंह
कल का दिन थोड़ा परेशानी वाला रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके बड़े अधिकारी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं,

कन्या
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपके ऑफिस से संबंधित कोई नया बदलाव आ सकता है.

तुला
कल का दिन अच्छा रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो विदेशी कंपनियों से यदि आपको कोई व्यापार करते हैं .

वृश्चिक
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो बैंक मे नौकरी करने वाले जातकों को कल प्रमोशन मिल सकता है.

धनु
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो आपका मन कल किसी बात को लेकर अशांत हो सकता है, इसलिए आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों में अधिक से अधिक ध्यान लगाए.

मकर
कल का दिन ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो आप अपने कार्य क्षेत्र में बहुत अधिक व्यस्त रहेंगे.

कुंभ
नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो जो लोग किसी रिसर्च सेंटर से जुड़े हुए हैं और उसमें काम करते हैं

मीन
कल का दिन अच्छा रहेगा. नौकरी करने वाले जातकों की बात करें तो कल आपका दफ्तर में दिन सामान्य रहेगा.

बथुआ के साग में फाइबर, आयरन, पोटैशियम जैसे कई औषधीय गुण

सर्दियों में ज्यादातर लोग साग खाना पसंद करते हैं। इस मौसम में कई तरह के साग जैसे सरसों,पालक, बथुआ बाजार में देखने को मिलते हैं। आपने भी बथुआ के पराठे से लेकर रायता तक कई बार खाया होगा। बथुआ के साग में फाइबर,आयरन,पोटैशियम जैसे कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। बावजूद इसके सेहत को फायदा पहुंचाने वाले बथुआ का सेवन अगर ज्यादा मात्रा में कर लिया जाए तो यह फायदे की जगह आपकी सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है। जी हां, बथुआ प्लांट में ऑक्सेलिक एसिड अधिक होता है। यह एसिड शरीर में अगर अधिक मात्रा में पहुंचा जाए तो यह कैल्शियम की मात्रा को कम कर देता है। आइए जानते हैं जरूरत से ज्यादा बथुआ खाने से सेहत को होते हैं क्या नुकसान और किन लोगों को नहीं करना चाहिए बथुआ का अधिक सेवन।

सर्दियों में खजूर खाने से मिलते हैं ये गजब के फायदे, सर्दी-खांसी से लेकर कब्ज की समस्या होती है दूर

किन लोगों को नहीं करना चाहिए बथुआ का अधिक सेवन-

कमजोर पाचन-

जिन लोगों का पाचन तंत्र बेहद कमजोर है, उन्हें बथुआ का अधिक सेवन नहीं करना चाहिए। बथुआ के अधिक सेवन से पेट संबंधित समस्याएं शुरू हो सकती हैं।दरअसल, बथुआ में मौजूद फाइबर की अधिकता कई बार व्यक्ति के लिए डायरिया का कारण बन जाती है। हालांकि सीमित मात्रा में इसका सेवन करने पर इसमें मौजूद फाइबर व्यक्ति को कब्ज, आयरन की कमी से छुटकारा दिलाने के साथ पेट भी साफ रखता है। लेकिन अगर आप पहले से ही दस्त की समस्या से जूझ रहे हैं तो इन हरी पत्तियों के सेवन करने से बचें।

कैल्शियम की कमी-

अगर आपके शरीर में पहले से ही कैल्शियम की कमी है तो बथुआ का सेवन करने से बचें। जरूरत से ज्यादा बथुआ का सेवन करने से शरीर में कैल्शियम का लेवल भी कम होने लगता है। दरअसस, ऐसा इसलिए क्योंकि इस साग में ऑक्सीलिक एसिड मौजूद होता है,जो शरीर में कैल्शियम की मात्रा को कम कर सकता है।

स्किन एलर्जी-

स्किन एलर्जी से जूझ रहे लोगों को भी बथुआ का सेवन करने से बचना चाहिए। इसके अधिक सेवन से एलर्जी की शिकायत बढ़ सकती है। जरूरत से ज्यादा बथुआ का सेवन ऐसे लोगों के लिए स्किन रैशेज, खुजली,दाने जैसी परेशानियों का कारण बन सकता है।

प्रजनन क्षमता पर असर-

अधिक मात्रा में बथुआ का साग खाने से प्रजनन क्षमता पर भी असर पड़ सकता है। दरअसल,बथुआ साग में प्रजनन विरोधी गुण मौजूद होते हैं। ऐसे में अगर आप बेबी प्लानिंग कर रहे हैं। तो उस स्थिति में बथुआ के साग का सेवन सीमित कर दें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री आज से आंध्र-केरल के दौरे पर, देंगे कई सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 17 जनवरी को आंध्र प्रदेश और केरल का दो दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वह कोचीन शिपयार्ड लि. (सीएसएल) में न्यू ड्राई डॉक और इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) सहित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम मंगलवार को आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले के पलासमुद्रम में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं स्वापक अकादमी (एनएसीआईएन) के नए परिसर का उद्घाटन करेंगे। पीएम बुधवार को केरल के गुरुवयूर और त्रिप्रयार रामास्वामी मंदिर में पूजा करेंगे। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए प्रधानमंत्री कोच्चि में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनओं में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के एलपीजी आयात टर्मिनल का उद्घाटन भी शामिल है।

भाजपा का चुनाव के लिए दीवार लेखन अभियान शुरू

नई दिल्ली। भाजपा ने आज से अपने लोकसभा चुनाव के लिए दीवार लेखन अभियान की शुरुआत कर दी है। प्रचार अभियान के तहत भाजपा देशभर में दीवारों पर पार्टी के नारे लिखवाएगी और चुनाव चिन्ह कमल का निशान बनवाएगी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस अभियान की शुरुआत की। इस दौरान जेपी नड्डा ने खुद दिल्ली में एक दीवार पर कमल का निशान उकेरा। जेपी नड्डा ने कहा कि आज से, हमारा देशभर में दीवार लेखन अभियान शुरू हो रहा है। हमने एक बार फिर मोदी सरकार के नारे को दीवार पर लिखकर इस अभियान की शुरुआत की है। हमारी देश को लोगों से अपील है कि वह एक बार फिर से देश में मोदी सरकार बनाएं। देश को आगे ले जाने के लिए स्थायी सरकार की जरूरत है। दीवार लेखन अभियान के जरिए हमने देश के लोगों से अपील की है कि एक बार फिर मोदी सरकार।

भाजपा के लिए अयोध्या राजनीति का विषय है: प्रमोद

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर के उद्घाटन का निमंत्रण ठुकराने के कुछ दिनों बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने सोमवार को कहा कि वे भगवान राम की पूजा करते हैं और अयोध्या उनके लिए आस्था का विषय है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल घटक दलों द्वारा 22 जनवरी को तय राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकारने के बाद राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। भाजपा नेता अश्विनी चौबे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा के लिए अयोध्या राजनीति का विषय है और कांग्रेस के लिए यह आस्था का विषय है। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा, निमंत्रण बांटने वाले ये लोग कौन होते हैं? भाजपा निमंत्रण बांटने वालों की तरह व्यवहार क्यों कर रही है। वे रिकॉर्ड क्यों रख रहे हैं?

बंगाल में भाजपा नहीं दोहराएगी पुरानी गलती!

कोलकाता। भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में 2019 और 2021 के चुनावों वाली गलती नहीं दोहराएगी। पार्टी ने तय किया है कि इस बार टिकट देते समय उम्मीदवारों की विश्वसनीयता ठोक-बजाकर परखी जाएगी और सभी मानदंडों पर खरे उतरने के बाद ही उनपर दांव लगाया जाएगा। 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी के कई निर्वाचित सांसद और विधायक वापस पाला बदलकर तृणमूल कांग्रेस में जा चुके हैं। जबकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस बार प्रदेश के नेताओं को राज्य की 42 में से कम से कम 35 सीटें जीतने का टारगेट दिया, इसलिए पार्टी उम्मीदवार तय करते समय अबकी बार अन्य बातों का भी पूरा ख्याल रखेगी। भाजपा नेताओं को महसूस हो रहा है कि पिछले दोनों चुनावों से पहले जिस तरह से पार्टी ने आंख मूंदकर अन्य दलों के नेताओं की एंट्री कराकर टिकट बांटा, उसी का खामियाजा भुगतना पड़ा है। इसलिए अब उम्मीदवार को चुनते समय इन तीनों फैक्टरों को बहुत ज्यादा अहमियत दी जाएगी।

प्राण प्रतिष्ठा को डीएमके ने बताया राजनीतिक कार्यक्रम

चेन्नई। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को द्रमुक सांसद टीआर बालू ने राजनीतिक कार्यक्रम बताया है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए जनता से किए वादे को पूरा न करने का भी आरोप लगाया है। द्रमुक सांसद टीआर बालू ने कहा, राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं बल्कि राजनीतिक कार्यक्रम है। 2014 से ही सत्ता में आने के बाद भाजपा ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया है। अपनी असफलताओं को छिपाने और लोगों का ध्यान भटकाने के लिए वे राम मंदिर को अपनी उपलब्धि के तौर पर दिखा रहे हैं। टीआर बालू के इस बयान पर तमिलनाडु की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने पलटवार किया है। उन्होंने पूछा, इसे कौन राजनीतिक बना रहा है? जो प्राण प्रतिष्ठा में उपस्थित होने वाले हैं वो या जो नहीं होने वाले हैं वो? वे क्यों नहीं इस समारोह में उपस्थित हो रहे हैं? क्योंकि उन्हें लगता है कि यह राजनीतिक समारोह है।

लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी बसपा, चुनाव बाद गठबंधन का विकल्प खुला रहेगा

अखिलेश गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उनकी पार्टी कोई गठबंधन नहीं करेगी और अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने दोहराया कि मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि बहुजन समाज पार्टी अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी, किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, बहुजन समाज पार्टी किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी लेकिन पार्टी चुनाव बाद गठबंधन का विकल्प खुला रखेगी। इसके साथ ही मायावती ने इस बात का भी दावा किया कि बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश में जब भी किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती है तो उसे लाभ से ज्यादा नुकसान होता है और पार्टी का वोट दूसरी पार्टी को ट्रांसफर हो जाता है।

मायावती ने कहा, यूपी में गठबंधन करने से बसपा को फायदे से ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि उसके वोट स्पष्ट रूप से गठबंधन सहयोगी को स्थानांतरित हो गए, इसलिए पार्टी किसी के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। हालांकि चुनाव बाद गठबंधन का विकल्प पार्टी के पास रहेगा। मालूम हो कि बसपा ने इससे पहले यूपी में राज्य और लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, जिसमें कांग्रेस को फायदा हुआ था। मायावती ने भी भाजपा की आलोचना की और कहा कि भाजपा केवल जातिवाद और सांप्रदायिकता की राजनीति में लिप्त हैं और दावा किया कि लोग उन्हें सत्ता में नहीं देखना चाहते हैं।

मायावती ने कहा कि लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने और उन्हें रोजगार प्रदान करने के बजाय, केंद्र और राज्य (यूपी) सरकारें उन्हें कुछ मुफ्त राशन प्रदान कर रही हैं और उन्हें अपना गुलाम बनाने की कोशिश कर रही हैं। हालाँकि, यूपी में हमारी सरकार ने लोगों को सशक्त बनाने के लिए रोजगार उपलब्ध कराया। अखिलेश यादव ने गिरगिट की तरह रंग बदला। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जो बाबा साहेब के बनाये कायदे-कानूनों पर चलती है। कांग्रेस भाजपा और उसके सहयोगियों, बड़े व्यापारियों की पक्षधर है। अति पिछड़ों को

उनका हक नहीं मिल रहा है और आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है। सभी लोगों से अपील है कि वे बसपा से जुड़ें और उसे सत्ता तक पहुंचाएं, ताकि उनका हक मिल सके। सपा ने बयान देकर बसपा को भ्रमित करने की कोशिश की थी, इससे बचने की जरूरत है।

बसपा प्रमुख ने राजनीति से अपनी संभावित सेवानिवृत्ति के बारे में हालिया अटकलों पर भी स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने आकाश आनंद को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया। मायावती ने पार्टी को मजबूत करने के अपने प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की मायावती की घोषणा ऐसे समय आई है जब विपक्ष का मेगा गठबंधन इंडिया शक्तिशाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी शुरू कर रहा है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा से लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन के बैनर तले 28 विपक्षी दल एक साथ आए हैं। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे शनिवार को विपक्षी इंडिया ब्लॉक के अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभरे, जबकि संयोजक पद के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम प्रस्तावित किया गया, जिसे जद (यू) नेता ने स्वीकार नहीं किया।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण मिला, लेकिन जाने के बारे में निर्णय नहीं : बसपा प्रमुख

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोमवार को कहा कि उन्हें अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण मिला है लेकिन बसपा के कई कार्यक्रम होने की वजह से उन्होंने अभी वहां जाने को लेकर कोई निर्णय नहीं किया है। बसपा नेता मायावती ने अपने 68वें जन्मदिन पर सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों द्वारा, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा, अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण मुझे मिला है। कार्यक्रम में जाने पर अभी मैंने कोई फैसला नहीं किया हैं, क्योंकि अभी मैं अपनी पार्टी के कार्यक्रमों में बहुत व्यस्त हूं। उन्होंने कहा, अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे कार्यक्रम को लेकर हमारी पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है, हम उसका स्वागत करते हैं और अगर बाबरी मस्जिद को लेकर कोई कार्यक्रम होगा तो उसका भी हम स्वागत करेंगे। बसपा नेता ने कहा, हमारी पार्टी एक धर्म निरपेक्ष पार्टी हैं और सभी धर्मों का एक बराबर सम्मान करती है। चाहे किसी भी धर्म का मामला हो, हमारी पार्टी ने किसी का भी विरोध नहीं किया है। बहुजन समाज पार्टी ही देश की इकलौती ऐसी पार्टी है जो धर्म निरपेक्ष है।'' मायावती ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र का वह स्वागत करती हैं। उन्होंने कहा ''वहां जाने या न जाने के बारे में अभी मैंने कोई फैसला नहीं किया है। भविष्य में इस बारे में जो भी निर्णय लिया जायेगा, मीडिया को उसके बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि हमने यूपी में अपनी चार बार की सरकार में सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय पर ध्यान दिया। अल्पसंख्यक, गरीब, मुस्लिम, किसान और अन्य मेहनतकश लोगों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की थी, जिन्हें सरकारें नाम और स्वरूप बदल कर अपना बनाने का प्रयास कर रही हैं। लेकिन जातिवादी होने के कारण यह काम नहीं हो पा रहा है। रोजगार के साधन देने के बजाय मुफ्त में थोड़ा सा राशन देकर इनको अपना मोहताज बना रहे हैं।

पीएम जनमन : प्रधानमंत्री ने लाभार्थियों को जारी की पहली किस्त

पहले सिर्फ कागजों पर ही चलती थी सरकारी योजनाएं: मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (15 जनवरी) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के 1 लाख लाभार्थियों को प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत पहली किस्त जारी की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने पीएम-जनमन के लाभार्थियों से बातचीत भी की। मोदी ने इस दौरान कहा कि इस समय देश में उत्सव का माहौल है। उत्तरायण, मकर संक्रांति, पोंगल, बिहू...त्योहारों की उमंग चारों तरफ छाई हुई हैं। इस उत्साह को आज के आयोजन ने और शानदार और जानदार बना दिया है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज एक ओर जब अयोध्या में दीपावली मनाई जा रही है, तो दूसरी ओर एक लाख अति पिछड़े मेरे जनजातीय भाई-बहन जो मेरे परिवार के ही सदस्य हैं, ये मेरे जनजातीय परिवार, अति पिछड़े जनजातीय परिवार उनके घर दिवाली मन रही है, यह अपनेआप में मेरे लिए बड़ी खुशी है। उन्होंने कहा कि आज जिनके बैंक खाते में पक्के घर के लिए पैसे ट्रांसफर किए जा रहे हैं। मैं इन सभी सपरिवारों को बधाई देता हूं, मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देता हूं। मुझे विश्वास है कि इस साल की दीपावली आप अपने घरों में जरूर मनाएंगे, पक्का कर लीजिए कि इस बार की दीपावली आपको अपने नए घर में मनानी है।मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन बाद 22 जनवरी को रामलला भी अपने भव्य और दिव्य मंदिर में हमें दर्शन देंगे। मेरा सौभाग्य है कि मुझे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में बुलाया गया है। जब आपने मुझे इतना बड़ा दायित्व दिया है तो मैंने भी 11 दिन व्रत अनुष्ठान का एक संकल्प किया हुआ है। उन्होंने कहा कि आज की राज-कथा बिना गरीब, बिना वंचित, बिना वनवासी भाई-बहनों के कल्याण के संभव ही नहीं है। इसी सोच के साथ हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने 10 साल गरीबों को समर्पित किए। गरीबों को 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बनाकर के दिए हैं। जिनको कभी किसी ने पूछा नहीं, उनको मोदी आज पूछता भी है और पूजता भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाएं अति पिछड़े जनजातीय भाई-बहन तक पहुंचें, यही पीएम जनमन महाअभियान का उद्देश्य है। सरकार पूरी ताकत लगा रही है कि हमारे अति पिछड़े जनजातीय भाई-बहनों तक सरकार की हर योजना जल्द से जल्द पहुंचे। मेरा कोई अति पिछड़ा भाई-बहन अब सरकार की योजना के लाभ से छूटेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मोदी की गारंटी, यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। इसी कड़ी में आज आप सभी अति पिछड़े जनजातीय भाई-बहनों को पक्के मकान देने की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि पहले सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों पर ही चलती रहती थी और असली लाभार्थियों को पता ही नहीं चलता था। जिनको पता चल भी जाता था तो उनको कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। अब पीएम जनमन महा अभियान में हमारी सरकार ने ऐसे सभी नियम बदल दिए हैं, जिससे आपको परेशानी होती हो।

खेल
प्रमुख समाचार

इंडिया ओपन में आज चमक बिखेरने उतरेंगे भारतीय खिलाड़ी

नईदिल्ली। भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चमक बिखेरने की कोशिश करेंगे जिसमें सभी की निगाहें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर टिकी रहेंगी। सात्विक और चिराग ने 2023 में छह खिताब जीते थे जबकि हाल में वह मलेशिया सुपर 1000 टूर्नामेंट में उपविजेता रहे थे। इससे उनसे अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ का यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट पिछले साल सुपर 750 वर्ग में रखा गया था लेकिन तब भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था और कोई भी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाया था। इससे पहले 2022 में सात्विक और चिराग ने पुरुष युगल जबकि लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल का खिताब जीता था। भारतीय खिलाड़ी अब पिछले साल के लचर प्रदर्शन को भूल कर उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। सात्विक और चिराग मलेशिया ओपन के फाइनल के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार गए थे लेकिन वह घरेलू धरती पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सात्विक ने कहा,''हम अपने देश में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। इस टूर्नामेंट के बाद हमारी जीत दर्ज करने की भूख बढ़ी है और हम अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।'' पिछले साल सात्विक के चोटिल होने के कारण भारतीय जोड़ी को दूसरे दौर के मैच से पहले हटना पड़ा था, लेकिन इस बार वे पूरी तरह से फिट हैं। पहले दौर में उनका मुकाबला दुनिया के 25वें नंबर के फैंग जेन ली और फैंग चिह ली से होगा। सात्विक और चिराग जहां खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे वहीं पुरुष एकल में एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत पर निगाहें टिकी रहेंगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

759 अंक चढ़कर सेंसेक्स पहली बार 73 हजार के पार

नईदिल्ली। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स लगातार पांचवें सत्र में बढ़त में रहा और 759 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 215 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स 38,162 की नई ऊंचाई पर पहुंच गया और बीएसई स्मॉलकैप 44,872 पर पहुंच गया। दोनों सूचकांक क्रमश: 0.67 प्रतिशत और 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 759.49 अंक यानी 1.05 फीसदी की भारी बढ़त के साथ 73,327.94 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 72,909.00 और 73,402.16 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 215.90 अंक यानी 0.99 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,110.45 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,963.55 और 22,115.55 के रेंज में कारोबार हुआ।

थोक महंगाई दर नौ महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। देश की थोक मुद्रास्फीति सालाना आधार पर दिसंबर में नौ महीने के उच्चतम स्तर 0.73 प्रतिशत पर पहुंच गई, नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। लगातार सात महीनों तक नकारात्मक रहने के बाद नवंबर में थोक महंगाई दर सकारात्मक दायरे में लौट आई थी। दिसंबर महीने में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 5.78 प्रतिशत हो गई जो नवंबर महीने में 4.76 प्रतिशत थी। इस बीच, ईंधन और बिजली व विनिर्माण क्षेत्र में मुद्रास्फीति क्रमश: शून्य से 2.41 प्रतिशत नीचे और शून्य से 0.71 प्रतिशत नीचे रही। दिसंबर में, डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति की दर नवंबर, 2023 के 4.69 प्रतिशत से बढ़कर 5.39 प्रतिशत हो गई। क्रमिक आधार पर, मुद्रास्फीति की दर 0.26 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले शून्य से 0.85 प्रतिशत नीचे रही।

आईआरएफसी का मार्केट कैप 1.74 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचा

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे वित्त कॉरपोरेशन (आईआरएफसी) ने टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और वरुण बेवरेजेज जैसी बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए बाजार पूंजीकरण में बड़ी वृद्धि दर्ज की है। राज्य के स्वामित्व वाली वित्तीय संस्था के शेयर में सोमवार के इंट्रा-डे कारोबार के दौरान बीएसई पर 19त्न की बढ़ोतरी हुई, जिसमें पिछले दो कारोबारी दिनों में 26त्न की वृद्धि हुई है। आईआरएफसी का मार्केट कैप 1.74 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया है, जिससे यह ओवरऑल मार्केट कैप रैंकिंग में 41वें स्थान पर है। भारतीय रेलवे को फंड करने के लिए बनाया गया आईआरएफसी, अपनी वार्षिक योजना के एक बड़े हिस्से को फंड करके रेलवे विस्तार को सपोर्ट करने में महत्वपूर्ण रहा है। अब आईआरएफसी रेलवे को बेहतर बनाने और अच्छा मुनाफा कमाने के लिए बाजार से पैसा जुटाकर शीर्ष वित्तीय कंपनी बनना चाहती है।

मेडी असिस्ट हेल्थकेयर का खुला आईपीओ

नईदिल्ली। बीमा कंपनियों को थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेशन सर्विसेज देने वाली कंपनी मेडी असिस्ट हेल्थकेयर का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। कंपनी बीमा कंपनियों के लिए एक थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेशन सर्विस प्रदान करती है और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क के जरिये चिकित्सा बीमा और कैशलेस अस्पताल में भर्ती की पेशकश करती है। यह थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेशन (टीपीए) सर्विस (बीमा कंपनियों के लिए) सेक्टर में सार्वजनिक होने वाली पहली एंटिटी होगी। जनवरी का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ आज यानी 15 जनवरी को खुल गया है। यह सब्सक्रिप्शन के लिए 17 जनवरी तक खुलेगा। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए यह 12 जनवरी को खुल जाएगा। मेडी असिस्ट आईपीओ का प्राइस बैंड 397-418 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में इस वर्ष भी जारी रह सकते हैं अच्छे नतीजे

अजय बग्गा

वर्ष 2024 भारतीय अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार और रुपये के लिए एक और अच्छा साल साबित होने वाला है। घरेलू और वैश्विक, दोनों स्तर पर सभी कारक भारत के लिए सकारात्मक हैं। दुनिया भर में 70 से ज्यादा देशों में इस वर्ष चुनाव होने वाले हैं, इसलिए काफी राजनीतिक सरगर्मी और संभावित बदलाव देखने को मिलेंगे। हालांकि दुनिया को वर्ष 2024 में मंदी की आशंका है, पर ज्यादातर देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं में तेज सुधार और मंदी से बचने की उम्मीद कर रहे हैं। इस वर्ष वैश्विक विकास दर दो फीसदी के करीब रहने का अनुमान है। भारत में सबसे अधिक वृद्धि दर रहने की उम्मीद है, वास्तविक विकास के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान है, जबकि नॉमिनल आधार पर 11 फीसदी का अनुमान है।

वर्ष 2022 और वर्ष 2023 की पहली छमाही में ब्याज दर में तेज वृद्धि के बाद उम्मीद है कि प्रमुख केंद्रीय बैंक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व से लेकर यूरोपीय केंद्रीय बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैंड तक, ब्याज दरों में कटौती की स्थिति में होंगे, क्योंकि ये अर्थव्यवस्थाएं सुस्त हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की अर्थव्यवस्था में भी सुस्ती है, जिससे वस्तुओं की कीमतें गिर गई हैं, जो भारत जैसे बड़े कमोडिटी आयातक के लिए सकारात्मक है।

अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती से आम तौर पर डॉलर कमजोर होता है। साथ ही इससे उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी पोर्टफोलियो के प्रवाह में वृद्धि होती है। यह वर्ष 2024 में भारत में विदेशी धन का प्रवाह बढ़ाने के लिए अनुकूल स्थिति है। कच्चे तेल की गिरती कीमत इस वर्ष वैश्विक

और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक और सकारात्मक संकेत है।

इस अनुकूल वैश्विक पृष्ठभूमि में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावना अनुकूल दिख रही है। बढ़ते प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण, चालू खाता घाटा और रुपये की बढ़ती स्वीकार्यता जैसे प्रमुख मानदंडों पर भारत वास्तविक रूप से %अमृत काल% का आनंद ले रहा है। बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकारी खर्च में भारी बढ़ोतरी अगले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था को काफी आर्थिक फायदा पहुंचाएगी। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और जलमार्ग-सभी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने से वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में निजी पूंजी व्यय में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है। बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये का आर्थिक उत्पादन या जीडीपी की वृद्धि पर चार से छह गुना प्रभाव पड़ता है।

इस वर्ष अप्रैल-मई में होने वाले संसदीय चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन को एक और कार्यकाल मिलने की उम्मीद से नीति निरंतरता की उच्च संभावना है। इससे क्षमता विस्तार और हरित परियोजनाओं को शुरू करने के लिए निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। वर्ष 2023 में रिकॉर्ड संख्या में आवास खरीदे गए। आवास क्षेत्र में तेजी से बढ़ती कमाई और भारी मांग को देखते हुए रियल एस्टेट क्षेत्र में अगले सात से दस वर्ष तक तेजी रहने की संभावना है।

अगले कुछ वर्षों तक कॉरपोरेट आय वृद्धि भी 14-15 फीसदी के दायरे में रहने उम्मीद है। यह शेयर बाजार सूचकांकों के उछाल में भी परिलक्षित होता है, जो वर्ष 2023 में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया और उम्मीद है कि इस वर्ष भी यही रफ्तार बनी रहेगी। कॉरपोरेट बैलेंस शीट से जोखिमों को खत्म कर दिया गया है और पिछले कुछ वर्षों में ऋण का स्तर भी घट गया है। बैंकों ने अनियोजित खर्च के लिए अलग से पूंजी कोष (कैपिटल बफर्स) तैयार किया है और एनपीए से संबंधित समस्याएं खत्म की हैं। कॉरपोरेट घरानों को अपनी विकास जरूरतों के लिए शेयर बाजारों, बांड बाजारों और बैंकों और गैर-बैंक से धन उपलब्ध हो रहा है। वैश्विक बांड सूचकांकों में भारत के शामिल होने से भारतीय बांड बाजारों में भी दीर्घकालिक विदेशी फंडों का बड़ा प्रवाह होगा।

पीएम जनमन योजना से विशेष पिछड़ी जनजातियों तक पहुंच रही है विकास की रोशनी: गिरिराज सिंह

रायपुर। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन योजना) के दो माह पूरे होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय (पीवीटीजी) वर्ग के 01 लाख लाभार्थियों को पीएम आवास योजना की पहली किस्त के लिए राशि का डिजिटल हस्तांतरण किया। इसी तरह सड़क निर्माण विद्युतीकरण परियोजना को स्वीकृति, नल से स्वच्छ जल परियोजना, वन धन विकास केंद्रों की स्वीकृति सहित अन्य विकास कार्यों की सौगात दी। पीएम जनमन कार्यक्रम को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लाभार्थियों से संवाद भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश में चारों तरफ उत्सव का माहौल है। उत्तरायण, मकर संक्रांति, पोंगल, बिहू त्योहारों की उमंग चारों तरफ छाई हुई हैं। इस उत्साह को आज के आयोजन ने और शानदार बना दिया है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां अयोध्या में दीपावली मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर पीएम जनमन योजना से एक लाख अति पिछड़े जनजातीय वर्ग के घरों में दिवाली मन रही है, उन्होंने योजना से लाभान्वित हुए लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस साल की दीवाली आप अपने नए पक्के घरों में मनाएंगे। कोरबा जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरीकला में आयोजित पीएम जनमन का कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज श्री गिरिराज सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वनमण्डलाधिकारी कोरबा श्री अरविंद पीएम, कटघोरा वनमण्डलाधिकारी, निगमायुक्त, नोडल अधिकारी/डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर पीएम जनमन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने विभागीय योजनाओं से लाभान्वित हुए हितग्राहियो से योजनाओं से मिल रहे लाभ के विषय में चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि देश भर के विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों तक

विभिन्न शासकीय योजनाओं से मूलभूत सुविधाओं का लाभ पहुचाने के लिए पीएम जनमन योजना संचालित की जा रही है। जिससे विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग तक विकास की रोशनी पहुँच रही है। उन्होंने कहा कि 15 नवम्बर 2023 जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसमुंडा की जयंती के अवसर पर झारखण्ड के खूंटी से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम आदिवासी न्याय महाभियान की शुरुआत की थी। पिछले दो माह में योजना से पीवीटीजी बसाहटों में आवास, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क जैसे अनेक मूलभूत सुविधाएं देने का काम सफलता के साथ कर रहे हैं।

मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कार्यक्रम में जनमन योजना के बारे में बताते हुए कहा कि जन का मतलब जनता जनार्दन है एवं मन का अर्थ उनके मन की बात है। अर्थात् जनता के मन की बात को पूरा करने के लिए सरकार ने मन बना लिया है। पीएम जनमन योजना से विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के शत प्रतिशत लोगों विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियानप्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान कोरबा जिले में पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों में शिविर लगाकर उन्हें विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 4,554 लोगों का आधार कार्ड, 3760 लोगों का आयुष्मान कार्ड 1706 हितग्राहियों का जाति प्रमाण पत्र, 748 व्यक्तियों के जनधन बैंक खाते, 670 किसान क्रेडिट कार्ड एवं 710 वनाधिकार पट्टा प्रदान किया गया। साथ ही 879 लोगों प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ तथा 298 पक्के घर का निर्माण हेतु पंजीयन किया गया है। जिनके खातों में आज प्रधानमंत्री द्वारा आवास निर्माण हेतु प्रथम किस्त की राशि अंतरित की गई है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह सहित अन्य अतिथियों द्वारा पीव्हीटीजी वर्ग के लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। जिसके अंतर्गत फूटामुड़ा ग्राम के पहाड़ी कोरवा श्री रत्तुसिंह कोरवा एवं बिनु सिंह कोरवा को आयुष्मान कार्ड, नेहा, फूलबाई, दशोदा, नव्या, जय विजय और रतन सिंह को आधार कार्ड प्रदान किया गया। वनोपज संग्रहण के अंतर्गत श्रीमती लक्ष्मी मारको को कोदो संग्रहण कार्य हेतु 16 हजार एवं श्री सियाराम को माहुल पत्ता संग्रहण कार्य हेतु 7500 रूपए का चेक प्रदान किया गया। मत्स्य संपदा योजनांतर्गत रामशंकर बिंझवार व आत्माराम केंवट को मत्स्य जाल व शांति बाई, रामकुमारी को आईस बॉक्स प्रदान किया गया। कार्यक्रम में 378 लोगों को वनाधिकार पट्टा प्रदान किया गया। इनमें पीव्हीटीजी वर्ग के लाभार्थियों की संख्या 79 है। साथ ही पीव्हीटीजी वर्ग के 50 लोगों को सोलर किट बल्ब प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों द्वारा विभिन्न शासकीय स्टॉलों एवं विद्यालय में बच्चों द्वारा तैयार किए गए आकर्षक मॉडल का अवलोकन किया गया। केन्द्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह द्वारा पीएम जनमन अंतर्गत एक मोबाईल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में केन्द्रीय मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने चार-चिरौंजी के पौधे का रोपण कर सामाजिक वानिकी को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मोदी जी की गारंटी पूरी करने हर दिन कर रहे का: साय

रायपुर। हमारी सरकार बने हुए एक महीने हुए हैं और हम हर दिन मोदी जी की गारंटी पूरा करने संकल्पित होकर काम कर रहे हैं। हमने 18 लाख से अधिक जरूरतमंदों के लिए आवास की स्वीकृति पहले ही कैबिनेट में दी। अटल जी की जयंती सुशासन दिवस के दिन हमने 12 लाख से अधिक किसानों को 3716 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पमशाला कंवर धाम में आयोजित तीन दिवसीय महासम्मेलन और संक्रांति मेला में कही। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने इब नदी पर एनीकट निर्माण की घोषणा की। साथ ही पमशाला में कंवर समाज के सामाजिक भवन के जीर्णोद्धार के लिए 50 लाख रूपए की राशि की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सामाजिकजनों को संक्रांति की बधाई देते हुए कहा कि कल ही भगवान सूर्य का पर्व मकर संक्रांति मनाया गया। पूरे देश में यह पर्व अलग नाम और विधियों से मनाया जाता है। कंवर धाम में प्रतिवर्ष यह आयोजन होता रहा है। हर वर्ष तीन दिनों तक यहां उपस्थिति देता रहा हूं। इस बार पूरे प्रदेश की जिम्मेदारी मिली है तो समापन पर ही आ सका हूं। लेकिन विश्वास है पिछले तीन दिनों में यहां बहुत से सामाजिक विमर्श हुए हैं। यहां सामूहिक विवाह भी हुआ है। सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने में ऐसे आयोजनों की महती भूमिका है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी की गारंटी पर आप सभी ने भरोसा किया है। जो विश्वास पूरे प्रदेश के लोगों ने हम पर किया, उस पर खरा उतरने की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री का पद एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। आप लोगों का साथ और सहयोग मिलेगा और इससे यह जिम्मेदारी बखूबी निभाऊँगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेंगे। पीएससी 2021 में भ्रष्टाचार की जांच हमने सीबीआई को सौंपी है।

पीएससी घोटाला: सीबीआई को जरुरी कागजात सौंपने की तैयारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 3 जनवरी को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में यह फैसला किया गया था कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई से कराई जाएगी। कैबिनेट के फैसले के क्रियान्वयन में राज्य सरकार जुट गई है। गृह विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि यह मामला सीबीआई को सौंपने के पहले कुछ निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। बताया गया है कि प्रकरण से संबंधित बहुत-सी जानकारियां अलग-अलग कॉलम में तैयार की जा रही हैं। यह दस्तावेजी कार्रवाई पूरी होने के बाद मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा।

सीबीआई ने शिकायत करने वालों से सम्पर्क शुरु किया

पीएससी घोटाले के संबंध में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है कि राज्य सरकार द्वारा मामले की सीबीआई जांच कराने का निर्णय लेने के बाद से ही खुद सीबीआई ने मामले से संबंधित तथ्यों को जुटाना शुरू कर दिया है। जानकारी मिली है कि पूर्ववर्ती सरकार के समय जब ये मामला सामने आया था, उस समय भाजपा से जुड़े कुछ नेताओं ने इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से सामने लाने की कोशिश की थी। अब सीबीआई ऐसे नेताओं से संपर्क कर उनके पास उपलब्ध जानकारी लेने का प्रयास शुरू कर चुकी है।

छत्तीसगढ़ में पीएससी घोटाले के संबंध में मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से सामने आई जानकारी, आरोप के मुताबिक सीजी पीएससी के तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, राजभवन सेक्रेटरी अमृत खलको समेत कई अधिकारियों के बेटे-बेटियों और करीबी रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी जैसे पदों पर नियुक्ति देने के आरोप लगे हैं। मामले को लेकर पूर्व मंत्री एवं बीजेपी नेता ननकीराम कंवर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

अब तक एफआईआर नहीं

पीएससी घोटाले की जांच से जुड़ा एक अहम सवाल है कि मामले में एफआईआर कौन करेगा। इस बारे में उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि इसके लिए भी दो विकल्प हैं। पहला ये कि राज्य सरकार की ओर से छत्तीसगढ़ में ही एफआईआर कराई जाए। इसके बाद एफआईआर सहित पूरा प्रकरण सीबीआई को दिया जाए। दूसरा विकल्प ये है कि सारे दस्तावेज हाथ में आने के बाद सीबीआई खुद अपने स्तर पर एफआईआर कराए।

राहुल के इस यात्रा से देश में नए बदलाव का संकेत मिलेगा: दीपक

रायपुर। भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होकर वापस लौटे पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे पार्ट न्याय यात्रा की शुरुआत हुई। इसमें देशभर के नेता और छत्तीसगढ़ के नेता शामिल हुए. ऐतिहासिक शुरुआत मणिपुर इंफाल से हुई। यह यात्रा मुंबई तक 6700 किलोमीटर गुजरेगी। 20 मार्च को समापन होगा। इस यात्रा को ऐतिहासिक जन समर्थन मिलेगा।

बैज ने कहा, राहुल गांधी के इस यात्रा से देश में नए बदलाव का संकेत मिलेगा। भाजपा की ओर से राम मंदिर का अनुष्ठान और कांग्रेस की जारी यात्रा को लेकर दीपक बैज ने कहा, यात्रा का प्रभाव गरीब युवा पीड़ित बेरोजगारो को न्याय दिलाने के लिए है, ताकि सबके बीच में राहुल गांधी पहुंचे और उनकी भावनाओं को बातों को सुने. हम नया एजेंडा बनाकर लोकसभा चुनाव में जा सके और एक संकेत दे सके।

लगातार शंकराचार्य इसका विरोध कर रहे हैं। मंदिर अधूरा है। रामनवमी में इसका शुभारंभ करना चाहिए। बैज ने कहा, पीएम अच्छा कार्य करते तो रोजगार, महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर जाते, लेकिन उनके पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए मंदिर के नाम से प्रोपेगेंडा देश की जनता की भावनाओं से खेल कर चुनाव लड़ना चाहते हैं। न्याय यात्रा ऐतिहासिक और सफल रहेगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

बजट सत्र के पहले सरकार लेगी कर्ज आरबीआई से मांगे दो हजार करोड़ रुपए

रायपुर। साय सरकार करीब दो हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है. इसके लिए वित्त विभाग ने आरबीआई को डिमांड नोट भेज दिया है. सरकार को यह कर्ज प्रत्याभूति की नीलामी के जरिए मिलेगा. इसके मुताबिक सरकार एक-एक हजार करोड़ रुपए की दो किश्त 8 और 9 साल में वापसी की मियाद पर लेने जा रही है. बता दें कि छत्तीसगढ़ समेत देश के आठ अलग-अलग राज्यों ने 19 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज मांगा है. आरबीआई मंगलवार को ई कुबेर के जरिए लोन का टेंडर खोलेगी. सत्ता में आते ही विष्णुदेव साय सरकार के सिर पर कर्ज का भारी बोझ पड़ा है. इस वक्त राज्य पर 88 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्जा चढ़ा हुआ है. भाजपा ने चुनाव के पहले जिस तरह से बड़े-बड़े वादे किए हैं, उससे कर्ज का बोझ कम होता नजर नहीं आ रहा है. भाजपा के घोषणा पत्र के वादे कर्ज की सीमा बढ़ाते हुए नजर आएंगे.

छत्तीसगढ़ केन्द्र शासित हो गया है-महंत

रायपुर। ठीक एक महीने पहले छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने शपथ ली थी। सीएम विष्णुदेव साय के साथ डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। यानि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार को एक महीने पूरे हो गए हैं। इस बीच कई मुद्दों को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच वार पलटवार हो रहा है। कांग्रेस ने तो भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए यहां तक कह दिया है की छत्तीसगढ़ केंद्र शासित प्रदेश बन गया । जिस पर भाजपा ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने मीडिया से चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ केंद्र शासित प्रदेश हो गया है। केंद्र सरकार के बिना यहां कुछ फैसला नहीं हो रहा है। हम तो चाहते हैं सरकार काम करें,स्वागत करेंगे। मैं नेता प्रतिपक्ष के रूप में पत्र लिखूं और मंत्रियों के बंगले जाऊं। महंत के इस बयान पर भाजपा ने पलटवार किया। मंत्री केदार कश्यप ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सारे निर्णय यही से लिए जा रहे हैं। कांग्रेस सरकार में निर्णय 10 जनपथ से होता था।

कई वार्डो में आज शाम निगम के नल से पानी नहीं

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट ने जानकारी देते हुए बताया कि मोवा सड्डू की ओर जाने वाली 700 एमएम व्यास की राईजिंग मेन तेलीबांधा चौक टनल क्रासिंग के अंदर लीकेज मरम्मत का कार्य दिनांक 17 जनवरी 2024 बुधवार को किया जाना प्रस्तावित है, इस कार्य में लगभग 12 घंटे का समय संभावित है। उक्त मरम्मत कार्य के कारण अमलीडीह, अवंति विहार, मण्डी, मोवा, सड्डू, दलदल सिवनी, कचना, आमासिवनी एवं जोरा जलागारों से 17 जनवरी को सुबह जलप्रदाय होने के पश्चात् शाम को जलप्रदाय नही होगा। 18 जनवरी को सुबह जलप्रदाय आंशिक रूप से प्रभावित रहेगा। उपरोक्त के अलावा शहर में स्थित अन्य जलागारो एवं पावर पंपो से जलप्रदाय यथावत रहेगा।

गणतंत्र दिवस पर राजभवन में होगा स्वागत समारोह

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2024 को राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन की गरिमामय उपस्थिति में राजभवन में शाम 5-15 बजे से स्वागत समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमे पद्मश्री, पद्मभूषण से सम्मानित राज्य के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा। राजभवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर संध्याकाल में एट होम फंक्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए आज राज्यपाल के सचिव श्री अमृत कुमार खलखो ने विभिन्न विभागों की बैठक ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राजभवन परिसर एवं आस-पास की साफ-सफाई, रोशनी एवं झालर व्यवस्था, ट्रैफिक, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, आमंत्रण पत्रों का मुद्रण एवं वितरण एवं अन्य व्यवस्था के संबंध में सभी आवश्यक निर्देश दिये गये।

मानसिक दृढ़ता और संकल्प का भी परीक्षण करती है बॉडी बिल्डिंग: बृजमोहन

रायपुर। बॉडी बिल्डिंग और पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताएं हैं जो प्रतिभागियों से कड़ी मेहनत और समर्पण की मांग करती हैं। ये प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक प्रदर्शन का परीक्षण करती हैं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और संकल्प का भी परीक्षण करती हैं यह बात वरिष्ठ मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बूढ़ेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित मिस्टर रायपुर 2024 एंड छत्तीसगढ़ स्टेट बॉडी बिल्डिंग एंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के दौरान कही। बृजमोहन अग्रवाल ने विजेता बॉडी बिल्डर को मेडल और कैश प्राइज दिया।

चावल की गुणवत्ता में कमी आने पर राशन दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही

रायपुर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री दयालदास बघेल ने सोमवार को नया रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड सभाकक्ष में जिला प्रबंधक एवं प्रभारी जिला प्रबंधकों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने समीक्षा बैठक में नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को चावल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर प्रबंधक संचालक श्री के.डी कुंजाम और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। मंत्री श्री बघेल ने गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री श्री दयालदास बघेल ने राज्य के सभी 33 जिलों के उचित मूल्य दुकानों में राशन का भण्डारण प्रत्येक माह निर्धारित समय में करने के लिए कहा है, ताकि लोगों को समय पर चावल, शक्कर, गुड़, चना, नमक मिल सकें। सरगुजा और बस्तर क्षेत्र के दूरस्थ अंचल में गुड़ और चना की गुणवत्ता में गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चावल की गुणवत्ता का परीक्षण करते समय शासन द्वारा निर्धारित मानक गुणवत्ता का पालन करने के भी निर्देश दिए हैं। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि उचित मूल्य दुकान के माध्यम से लोगों तक अच्छे चावल पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। चावल की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किए जाएंगे। समीक्षा बैठक में अधिकारियों की शंकाओं का भी समाधान किया गया।

जब सारा देश गौरान्वित तब कांग्रेस ने दिखाया विरोधी तेवर: शेखावत

रायपुर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आए हैं। यहां उन्होंने वीआईपी चौक स्थित श्री राम मंदिर में रामलला का दर्शन किया। फिर मंदिर परिसर में झाड़ू लगाया।

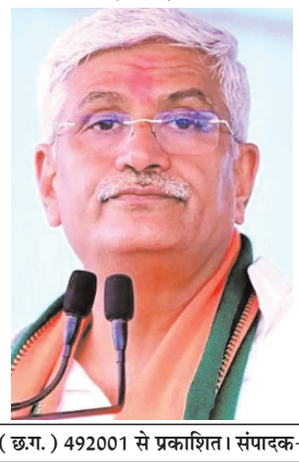

इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि, 500 सालों के लंबे संघर्ष के बाद श्री राम मंदिर में प्रवेश करेंगे। हमें सेवा का संकल्प लेकर प्रभु राम के आदर्शों को अपनाना चाहिए। कांग्रेस ने अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकरा दिया है। इस पर मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि, देश में ऐसी कई घटनाएं घटित हुई हैं जब सारा देश गौरवान्वित था तब कांग्रेस अपना विरोधी तेवर दिखा रही थी। इसमें कोई नई बात नहीं है। जल जीवन मिशन के कार्यों में हुई गड़बड़ी को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि, बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा होगी। अगर इसमें कोई भी गड़बड़ी पाई जाती है तो निश्चित रूप से इसकी जांच होगी। उन्होंने कहा कि, हम मोदी जी के लक्ष्य के अनुरूप ही काम करेंगे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.